door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 303 | गुवाहाटी | सोमवार, 3 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

लोस चुनाव खत्म होते ही बंगाल में हिंसा शुरू भाजपा नेता की अज्ञात लोगों ने की हत्या पेज 2

नरेंद्र मोदी को पूर्वोत्तर की जनता का आशीर्वाद है अरुणाचल प्रदेश की ... पेज 3

चुनाव के दरम्यान मोदी के हर कार्यक्रम में सारथी के रूप में दिखे योगी पेज 5

मुसेटी को कड़े मुकाबले में हराकर जोकोविच अगले दौर में पहुंचे... पेज 7

शर्मा शर्डअरेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

पूर्वोत्तर के दो राज्यों में सत्तारूढ़ दलों की वापसी

अरुणाचल में भाजपा ने रचा इतिहास, 60 में 46 सीटें जीतीं

40 साल में 46 फीसदी बढ़ा मत प्रतिशत

इटानगर (एजे/हि.स.)। भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी करते हुए रविवार को 60 सदस्यीय विधानसभा में 46 सीट जीतकर बहुमत हासिल कर लिया। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य में 60 में से 50 विधानसभा सीट के लिए 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के साथ मतदान हुआ था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 10 सीट पहले ही निर्विरोध जीत ली थीं। अधिकारियों के अनुसार, जिन 50 सीट पर मतदान हुआ, उनमें से भाजपा ने 36 सीट पर जीत दर्ज की और मुख्यमंत्री पेमा खांडू निर्विरोध जीतने वाले 10 उम्मीदवारों में से एक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा की जीत पर राज्य के लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

विकास कार्यों को देखकर जनता ने भाजपा को चुना : पेमा खांडू

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 60 सीटों में से 46 सीटों पर जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है। इस चुनाव में राज्य में तेजी से हो रहे विकास कार्यों को देखकर राज्य की जनता ने भाजपा को फिर से चुना है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू रविवार को मतगणना के बाद प्रदेश भाजपा मुख्यात्रय पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने राज्य की जनता को भाजपा पर भरोसा करने और समर्थन देने पर धन्यवाद देते हुए कहा कि भाजपा पूरी तरह से राज्य के विकास पर ध्यान देगी और राज्य के विकास के लिए काम करेगी। -शेष पृष्ठ दो पर

31 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सत्ता पर काबिज हुआ एसकेएम

भाजपा और सीएपी का खाता भी नहीं खुला

गंगटोक (हि.स.)। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) प्रचंड बहुमत के साथ अपने दूसरे कार्यकाल के लिए सरकार में वापसी कर रहा है। एसकेएम ने विधानसभा चुनाव 2024 में 32 में से 31 सीटों पर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। विपक्षी सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) पार्टी को केवल एक सीट मिली है। राज्य में 11वें विधानसभा चुनाव के लिए 19 अप्रैल को मतदान हुआ था। आज (रविवार) सुबह 6 बजे से वोटों की गिनती शुरू हुई। वोटों की गिनती शुरू होने के दो घंटे से भी कम समय में यह स्पष्ट हो गया था कि एसकेएम मजबूती के साथ सत्ता में वापसी कर रहा है। 2019 के चुनाव में एसकेएम पार्टी ने सिर्फ 17 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। बाद में एसडीएफ पार्टी के दो विधायक एसकेएम पार्टी में शामिल हो गए। इस साल के चुनाव में एसकेएम पार्टी पूर्ण बहुमत -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

यही दुनिया है! यदि तुम किसी का उपकार करो, तो लोग उसे कोई महत्व नहीं देंगे, किंतु ज्यों ही तुम उस कार्य को बंद कर दो, वे तुरंत (ईश्वर न करे) तुम्हें बदमाश प्रमाणित करने में नहीं हिचकिचाएंगे।

– स्वामी विवेकानंद

न्यूज गैलरी

हॉस्टल में खाना खाने के बाद 42 छात्रों की बिगड़ी तबीयत

चेन्नई। तमिलनाडु के इरोड में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के 42 छात्र छात्रावास में परोसे गए भोजन को खाने के बाद रविवार सुबह बीमार पड़ गए। पुलिस के अनुसार, छात्रों ने छात्रावास में -शेष पृष्ठ दो पर

तिनसुकिया में व्यक्ति लापता, अल्फा (स्वा) में शामिल होने का संदेह

तिनसुकिया। असम के तिनसुकिया जिले के फिलोबाड़ी तारानी का एक व्यक्ति लापता हो गया है, जिससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) गुट में शामिल हो सकता है। मनेश्वर बरुआ का बेटा उज्जल बरुआ गुरुवार से लापता है, जब वह काम के लिए केरल जाने की योजना बनाकर घर से निकला था। उज्जल के परिवार द्वारा -शेष पृष्ठ दो पर

कल सुबह आठ बजे से शुरू होगी मतगणना : ईसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के बाद अब सभी की नजरें चुनाव परिणाम की ओर लगी हुई हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि लोकसभा चुनाव और आंध्र प्रदेश तथा ओडिशा विधानसभा चुनाव के तहत डाले गए मतों की गिनती चार जून को सुबह आठ बजे शुरू होगी। विधानसभा उप चुनावों के लिए भी मतों की गिनती इसी दिन शुरू होगी। आयोग ने कहा कि सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती दो जून को सुबह छह बजे से शुरू होगी। इन दोनों राज्यों में -शेष पृष्ठ दो पर

असम को मिलेगा अपना पहला आईआईएम, केंद्र से मिली मंजूरी

सीएम शर्मा बोले– पीएम मोदी ने दिया खास तोहफा

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के सुझाव के अनुसार, असम की राजधानी गुवाहाटी के पास एक नए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) की स्थापना के प्रस्ताव को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। नया आईआईएम असम के कामरूप जिले के मराभिटा में स्थापित किया जाएगा। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि 2023 में हमारे अनुरोध के बाद, पीएम मोदी ने गुवाहाटी के पास एक भारतीय प्रबंधन संस्थान को मंजूरी देकर असम के लोगों को एक विशेष उपहार दिया है, जिससे यह आईआईटी, एम्स, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी और अब आईआईएम वाले कुछ शहरों में से एक बन गया है। पोस्ट में आगे लिखा है कि पिछले 18 महीनों में हमने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और शिक्षा मंत्रालय के सामने एक मजबूत मामला पेश किया। असम ने इस प्रयास के लिए प्रमुख भूमि और रसद समर्थन की पेशकश की। अब आईआईएम अहमदाबाद गुवाहाटी में आगामी आईआईएम का मार्गदर्शन करेगा। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम में आईआईएम की स्थापना एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम होगा, जिससे राज्य पूर्वी भारत में -शेष पृष्ठ दो पर

केजरीवाल ने तिहाड़ जेल में किया सरेंडर

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत 1 जून को समाप्त होने के बाद आज (2 जून) राष्ट्रीय राजधानी की तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण कर दिया। इससे पहले उन्होंने रविवार को राजघाट जाकर कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर से केजरीवाल राउज एवेन्यू रोड स्थित आम आदमी पार्टी (आप) कार्यालय के लिए रवाना हुए जहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित किया। आप के राष्ट्रीय संयोजक के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल, पार्टी नेता, जिनमें दिल्ली के मंत्री आतिशी, कैलाश गहलोत और सौरभ भारद्वाज, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और संदीप पाठक, और नेता दुर्गेश पाठक, राखी बिड़ला और रीना गुप्ता शामिल थे। दिल्ली -शेष पृष्ठ दो पर

असम एग्जिट पोल : जोरहाट में भाजपा को मिल सकती है जीत, धुबड़ी में अजमल का सिर दर्द बन सकता है एनडीए

नई दिल्ली। देश में सात चरणों में लोकसभा चुनाव की वोटिंग पूरी हो चुकी है। जिसके बाद अब चुनाव के नतीजे 4 जून को सामने आएंगे। लोकसभा चुनाव के चलते असम की कुल 14 लोकसभा सीटों पर तीन चरणों में वोटिंग पूरी हो चुकी है। जिसके बाद चुनाव के नतीजों के साथ असम की दो वीआईपी सीट (जोराहाट, धुबड़ी) पर सबकी निगाह टिकी है। हालांकि चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। लेकिन फाइनल रिजल्ट से पहले एग्जिट पोल सामने आ गए हैं। टीवी 9 भारतवर्ष के पोल स्टार्ट और पिपल्स इनसाइट के एग्जिट पोल के अनुसार भाजपा के खाते में असम में 11 सीटें आती दिख रही हैं। कांग्रेस को सिर्फ 1 ही सीट मिलती दिख रही है। वहीं एक सीट अन्य के खाते में जाती दिख रही है। असम की हॉट सीट जोराहाट पर दिलचस्प मुकाबला -शेष पृष्ठ दो पर

रेमल : पीएम ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में राहत कार्यों की समीक्षा की

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवाती तूफान रेमल से प्रभावित पूर्वोत्तर के राज्यों में राहत कार्यों को लेकर रविवार को समीक्षा बैठक की। रेमल से पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी नुकसान हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार के बाद कन्याकुमारी गए थे। वहां से आने के बाद आज उनका काफी व्यस्त कार्यक्रम है। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री आज सात बड़ी बैठकें करने वाले हैं। शनिवार के एग्जिट पोल के नतीजे एक -शेष पृष्ठ दो पर

यह एग्जिट पोल नहीं, बल्कि मोदी पोल है : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के एग्जिट पोल में तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनने का अनुमान है। एग्जिट पोल के आंकड़ों को इंडिया ब्लॉक के नेता ने मानने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस ने एग्जिट पोल के नतीजों को एक मनोवैज्ञानिक खेल बताया। इन्हीं सब को लेकर विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने आज एक बैठक की। बैठक के तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने इस दौरान सिद्धू मूसेवाला के एक गाने की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि यह मोदी मीडिया पोल है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पार्टी के लोकसभा उम्मीदवारों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ये एग्जिट पोल झूठे हैं। इंडिया गठबंधन को 295 सीटों से कम सीटें नहीं मिलने जा रही हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

विपक्ष को मिलेंगी 295 से ज्यादा सीटें : जयराम रमेश

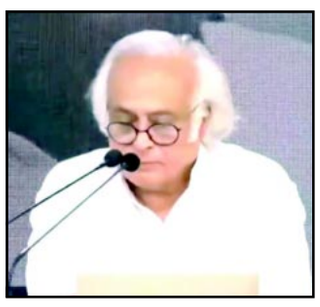

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने पार्टी मुख्यालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के पार्टी के प्रमुख नेताओं, प्रदेश अध्यक्षों और विधायक दल के नेताओं से बातचीत की और राज्यों में पार्टी एवं विपक्षी गठबंधन की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने दावा किया कि विभिन्न चैनलों और एजेंसियों की ओर से कराए गए एग्जिट पोल सर्वे झूठे हैं और विपक्षी गठबंधन को 295 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। जयराम रमेश के साथ इस संवाद में पार्टी नेताओं ने अपने-अपने राज्यों में गठबंधन को मिल रही सीटों पर अपने-अपने दावे किए। हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

96% मुस्लिम आबादी वाले देश में दाढ़ी और हिजाब पर बैन, इस्लामिक किताबों पर भी रोक

नई दिल्ली। सभी इस्लामिक देशों में शिक्षा से लेकर पहनने-ओढ़ने व धर्म से संबंधित कई तरह के कड़े नियम लागू हैं। इनमें महिलाओं का हिजाब पहनना, पुरुषों का दाढ़ी रखना और कुर्ता पहनना जैसे नियम भी होते हैं लेकिन दुनिया में एक ऐसा भी देश है जहां 96 फीसदी मुस्लिम आबादी होने के बावजूद वहां मुस्लिमों की तरह पारंपरिक दाढ़ी रखना और हिजाब पहनने पर बैन है। इस देश का नाम ताजिकिस्तान है जहां दाढ़ी रखना और हिजाब पर रोक है। वैसे तो ताजिकिस्तान संवैधानिक रूप से धर्मनिरपेक्ष है, लेकिन सबसे अच्छी बात ये है कि धर्म की स्वतंत्रता यहां के संविधान में है। ताजिकिस्तान का इतिहास समृद्ध है और यहां लगभग तीन दशकों से राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन का शासन है। अमेरिका की इंटरनेशनल धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट 2024 के मुताबिक धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर ताजिकिस्तान सरकार पहले से ही निराशाजनक रिकॉर्ड लगातार खराब होता जा रहा है। राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन का शासन अपनी दमनकारी नीतियों को बनाए रखता है। यह सभी धर्मों के लोगों की -शेष पृष्ठ दो पर

ममता ने एक्जिट पोल को बताया फर्जी, कहा–

कार्यकर्ताओं से कहूंगी *गणित* बनाकर रखें

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने एक्जिट पोल पर रविवार को प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे पूरी तरह से फर्जी करार दिया है। उन्होंने कहा कि बंगाल के बारे में जो दिखाया जा रहा है, उस पर मैं विश्वास नहीं करती। एक्जिट पोल बिल्कुल अस्पष्ट और फर्जी है। दरअसल, लोकसभा चुनाव को लेकर ज्यादातर एक्जिट पोल में बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के मुकाबले भाजपा को भारी बढ़त मिलने का दावा किया गया है। ममता ने एक स्थानीय चैनल से बात करते हुए इसपर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

लोस चुनाव खत्म होते ही बंगाल में हिंसा शुरू भाजपा नेता की अज्ञात लोगों ने की हत्या

कोलकाता। मतदान खत्म होते ही बंगाल के विभिन्न स्थानों पर हिंसा शुरू हो गई है। राज्य के नदिया जिले के देवग्राम इलाके में शनिवार रात एक भाजपा कार्यकर्ता की अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी गई। मृतक का नाम हाफिजुल शेख है। वे चांदपुर ग्राम के रहने वाले थे। शनिवार रात हाफिजुल चाय की दुकान पर बैठे थे। उसी समय मोटरसाइकिलों पर सवार होकर कुछ लोग वहां पहुंचे और हाफिजुल पर काफी नजदीक से गोलियां चलाईं। मौत निश्चित करने के लिए चाकू से भी वार किया और उसके बाद भाग निकले। स्थानीय भाजपा नेतृत्व ने घटना के पीछे राज्य में सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के गुंडों का हाथ बताया है। दूसरी तरफ तृणमूल ने घटना में हाथ होने से इन्कार किया है। वहीं उत्तर 24 परगना जिले के भाटपाड़ा में प्रियांकू पांडे नामक भाजपा नेता के घर के सामने शनिवार देर रात कुछ लोगों ने बमबाजी की। प्रियांकू बैरकपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अर्जुन सिंह के चुनाव एजेंट हैं। दूसरी तरफ इसी जिले के नैहाटी में एक तृणमूल नेता के कार्यालय के सामने बम फेंके गए। कोलकाता उत्तर में रमेश साव नामक भाजपा के बूथ एजेंट को मारा-पीटा गया। बशीरहाट संसदीय क्षेत्र के संदेशखाली में शनिवार को हुए मतदान के समय से ही माहौल अशांत है। वहां पुलिस व महिलाओं के बीच रविवार को फिर झड़प हुई। महिलाएं बांस, लाठी व पहसुल लेकर सड़कों पर उतर पड़ीं। गंभीर हालात को देखते हुए वहां बड़ी संख्या में पुलिस, रैफ व केंद्रीय बलों की तैनाती की गई है। कुछ इलाकों में धारा 144 लागू कर दी गई है। मालूम हो कि संदशखाली में मतदान के दिन भाजपा कार्यकर्ता की कुछ लोगों ने पिटाई की थी। आरोप तृणमूल पर लगा था। इसके विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय लोगों ने पथावरोध किया था, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं। पुलिस ने जब उन्हें हटाने की कोशिश की थी तो उनमें झड़प हुई थी। इसमें एक पुलिसकर्मी का सिर फट गया था। पुलिस ने उस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। रविवार को पुलिस एक और अवरोधकारी को पकड़कर ले जा रही थी। उसी समय बड़ी संख्या में महिलाएं जमा हो गईं और पुलिस को रोका। इसी दौरान पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई। इस बीच राज्यपाल डॉ सीवी आनंद बोस ने संदेशखाली में हुई गड़बड़ी को लेकर राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है।

भाजपा उम्मीदवार रामकृपाल यादव पर बीती देर शाम हमला

पटना (हिंस)। बिहार में पाटलीपुत्र लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार रामकृपाल यादव पर शनिवार देर शाम (1 जून) को मसौड़ी से लौटने के दौरान अज्ञात हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाकर ईंट-पत्थर फेंके और गोली चलाई। रामकृपाल यादव इस हमले में बाल-बाल बच गए। उनके साथ कार में सवार उनके एक समर्थक को चोट आई। रामकृपाल यादव ने हिंदुस्थान समाचार से बातचीत में बताया कि उन्हें बूथ पर अवैध तरीके से एक महिला विधायक के घुसने की सूचना मिली थी। उसी का निरीक्षण कर वे लौट रहे थे। इसी दौरान तिनेरी गांव में समर्थकों से मिलने गए। अचानक पिंजड़ी गांव के बाहरी इलाके में ही 20 से 25 लोगों ने घेरकर हमला कर दिया।

ईसी से मिला विपक्षी प्रतिनिधिमंडल, कहा-

डाक मतपत्रों के नतीजे पहले हों घोषित

नई दिल्ली (हि.स.)। विपक्षी पार्टियों का एक प्रतिनिधिमंडल डाक मतपत्रों की गिनती पहले पूरी कर नतीजे घोषित किए जाने के मुद्दे पर आज चुनाव आयोग से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से कहा कि उसी का वैधानिक आदेश (स्टेट्यूटरी आर्डर) है कि पोस्टल बैलट (डाक मतपत्रों) के नतीजे पहले घोषित होने चाहिए। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने चुनाव आयोग से मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का यह वैधानिक आदेश रहा है कि डाक मतपत्रों की गिनती पहले की जाती है और ईवीएम से पहले ही उसके नतीजे भी बताए जाते हैं। सिंघवी ने कहा कि डाक मतपत्र अक्सर कई बार चुनाव के नतीजे पलटने की क्षमता रखते हैं। हाल ही में चुनाव आयोग ने गाइडलाइन के जरिए इस नियम को हटाया है। हमारा मानना है कि इस तरह के नियमों को गाइडलाइन के माध्यम से नहीं पलटा जा सकता।

नदी में अवैध खनन को लेकर दो गुटों में झड़प

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के तामरहाट इलाके में नदी में किए जा रहे अवैध खनन को लेकर दो गुटों में झड़प का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने रविवार को बताया कि गंगाधर नदी में अवैध खनन को लेकर बाघडोकरा गांव के लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हर दिन 50 से 70 नाव के जरिए अवैध तरीके से नदी से रेत और पत्थर निकाला जा रहा है। इस अवैध खनन के कार्य में एक गिरोह सक्रिय है जो प्रत्येक नाव से 300 से 400 रुपए संग्रह करता है। अवैध खनन को लेकर इलाके में भू-कटाव का खतरा बढ़ गया है। जिसको लेकर स्थानीय लोगों ने आज जमकर विरोध प्रदर्शन किया। अवैध खनन में शामिल लोगों और स्थानीय लोगों के बीच जमकर झड़प हुई।

बंगाल व आंध्र प्रदेश में मतगणना के बाद भी 15 दिन तक तैनात रहेंगे केंद्रीय बल : ईसी

नई दिल्ली। चुनाव बाद हिंसा के अपने पुराने अनुभवों और पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के बाद निर्वाचन आयोग ने बंगाल और आंध्र प्रदेश में मतगणना के बाद भी पंद्रह दिनों तक केंद्रीय बलों की तैनाती के निर्देश दिए है। आयोग ने यह निर्देश गृह मंत्रालय को दिए है। साथ ही कहा कि चुनाव बाद का हिंसा की आशंकाओं को देखते हुए इन राज्यों में पैनी नजर रखी जाए। इसके साथ ही राज्य सरकारों को भी चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं को लेकर सतर्क किया है। आयोग से जुड़े सूत्रों की मानें तो इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में भी चुनाव बाद हिंसा की आशंका जताई गई है। आयोग ने पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर इन राज्यों में भी मतगणना के बाद अगले दो दिनों तक केंद्रीय बलों की तैनाती रखने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने कहा है कि वह चुनावी हिंसा को रोकने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इन सभी राज्य सरकारों को आयोग ने चुनाव बाद विशेष सतर्कता रखने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने कहा है कि यदि ऐसी घटनाएं हुईं तो वह सीधे जिम्मेदार होंगी। आयोग ने इससे पहले आंध्र प्रदेश में मतदान के बाद हिंसा पर सख्ती दिखाई थी। साथ ही हिंसा वाले जिलों के कई पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया था। राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को भी तलब कर सवाल-जवाब किए गए थे।

मानकाचर में बाढ़ में बहा लकड़ी का दो पुल

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिलांतर्गत मानकाचर में बाढ़ ने भयावह रूप ले लिया है। लकड़ी के दो पुल क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण यातायात बाधित हो गया। बीती रात हुई भारी वर्षा से मानकाचर के पूर्वी हिस्से में भारी नुकसान पहुंचा है। मेंघालय के गारो हिल्स से नीचे आ रहे पानी की एक धारा मानकाचर के पूर्वी हिस्से में स्थित लकड़ी के दो पुलों को बहा ले गई। मानकाचर के पूर्वी हिस्से में असम-मेघालय की सीमा से सटे पानकाटा ग्राम पंचायत के टेपरपारा में एक लकड़ी का पुल मेंघालय के गारो हिल्स से बहकर आए एक टीले के साथ बह गया। जिस कारण कालापानी ग्राम पंचायत के काजीपुर टोपरपारा का सड़क संपर्क टूट गया है।

पृष्ठ एक का शेष

अरुणाचल में भाजपा...

का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा क धन्यवाद अरुणाचल प्रदेश! इस अद्भुत राज्य की जनता ने विकास की राजनीति को स्पष्ट जनादेश दिया है। अरुणाचल में भाजपा पर एक बार फिर अपना विश्वास जताने के लिए उन्हें मेरा आभार। हमारी पार्टी राज्य के विकास के लिए और भी अधिक उमंग के साथ काम करेगी। मोदी ने यह भी कहा क मैं चुनाव अभियान में अरुणाचल के असाधारण भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की सराहना करना चाहूंगा। जिस तरह वे पूरे राज्य में गए और लोगों से जुड़े, वह सराहनीय है। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) को पांच सीट मिलीं, जबकि पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल ने दो और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने तीन सीट पर जीत दर्ज की। कांग्रेस ने एक सीट जीती और तीन सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुए हैं। भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश में 2019 के विधानसभा चुनाव में 41 सीट पर जीत हासिल की थी। उधर अरुणाचल प्रदेश विधानसभा की 60 सीटों में से 46 जीतकर भारतीय जनता पार्टी ने लगातार तीसरी बार राज्य में अपना परचम लहराया है। चालीस साल में राज्य में भाजपा का वोट 46.89 फीसदी बढ़ गया है। वर्ष 1984 में विधानसभा चुनाव में मात्र एक सीट जीत कर अपना अभियान शुरू किया था। इस चुनाव में भाजपा को 7.69 फीसदी वोट मिला था, जो वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में 54.58 प्रतिशत तक पहुंच गया है। भाजपा की लगातार दो बार रही सरकार की लोकप्रियता का राज्य में यह आलम रहा कि मुख्यमंत्री समेत पार्टी के 10 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए थे। अरुणाचल के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीते 10 वर्षों में किए गए कार्यों के आधार पर इस चुनाव में मतदान किया। अरुणाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के इतिहास पर नजर डालें तो यह साफ दिखता है कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से राज्य में भाजपा की स्थिति काफी मजबूत हुई है। वर्ष 1984 में हुए राज्य के 60 विधानसभा सीटों के चुनाव में से भाजपा ने 7.69 फीसदी वोट प्राप्त करके केवल एक सीट जीती थी। वर्ष 1990 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने उम्मीदवार ही नहीं उतारे थे। वर्ष 1995 और 1999 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा को कोई सीट नहीं मिली। हालांकि वर्ष 1999 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को 10.83 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे, जबकि वर्ष 2004 के चुनाव में पार्टी ने नौ सीटें जीतीं। वहीं वर्ष 2009 के चुनाव में पार्टी को सिर्फ तीन सीटों पर ही सिमट कर रहना पड़ा। इसके बाद वर्ष 2014 के चुनाव में भाजपा को 30.97 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे और पार्टी 11 सीटें जीतकर अरुणाचल प्रदेश में पहली बार एनडीए की सरकार बनाने में सफल रही। इसके बाद वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा को पहले से 20 फीसदी अधिक वोट मिले। इस चुनाव में पार्टी ने 50.9 फीसदी वोट प्राप्त करके 41 सीटें जीतीं। इसी प्रकार अरुणाचल प्रदेश में वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव में राज्य की दोनों ही सीटें जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की थी। हालांकि, वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में राज्य की दो सीटों में से एक सीट भाजपा को मिली। वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा ने दोनों ही सीटें जीतीं। इस प्रकार अरुणाचल वेस्ट सीट से किरेन रिजिजू तथा अरुणाचल ईस्ट सीट से तापिर गाओ चुनाव जीतकर लोकसभा में पहुंचे थे। वहीं, 24 जून 2020 को हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा की उम्मीदवार नबाम रेबिया चुनाव जीतीं। उनका कार्यकाल 23 जून 2026 तक रहेगा।

विकास कार्यों को ...

उन्होंने कहा कि राज्य में हो रहे विकास कार्यों को देखते हुए राज्य की जनता ने भाजपा को चुना है और राज्य में भाजपा की सरकार आने के बाद तेजी से विकास हो रहा है, जिसको देखते हुए राज्य की जनता ने भाजपा का समर्थन किया है। अपनी बात पर जोर देते हुए पेमा खांडू ने कहा कि भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाएगी और भाजपा से जो मिकल गए थे, उन लोगों को भाजपा सरकार में वापस शामिल नहीं किया जाएगा। राज्य के विकास को देखते हुए सभी विधानसभा क्षेत्र के विकास में कोई रुकावट नहीं होगी। खांडू ने कहा कि 4 जून के बाद ही मंत्रिमंडल का गठन होगा और पार्टी के निर्देश के अनुसार मुख्यमंत्री भी चुना जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सभी 60 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। कांग्रेस ने 19 सीटों पर ही अपने उम्मीदवार उतरे थे। इनमें कांग्रेस केवल एक सीट पर जीत हासिल कर सकी। मतगणना में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी ने 14 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये थे, जिन में से 3 सीटों पर जीत नसीब हुई। नेशनल पीपुल्स पार्टी ने 5 सीटों पर जीत हासिल किया है। हालत्रांकि पार्टी ने 20 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल ने भी 11 उम्मीदवार उतरे थे, जिसमें से दो सीटों पर उसे जीत हासिल हुई 7 वहीं तीन निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनाव जीतने में सफल हुए हैं।

31 सीटें जीतकर ...

के साथ सरकार में आने का लक्ष्य लेकर चुनाव मैदान में उतरी थी, जिसमें वह सफल रही है। मुख्यमंत्री एवं एसकेएम पार्टी के अध्यक्ष प्रेम सिंह तमांग ने भी दो निर्वाचन क्षेत्रों, सोरेंग च्याखुंग और रिनॉक से चुनाव लड़ा और उन्होंने दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की। इसी तरह मुख्यमंत्री की पत्नी कृष्णा कुमारी राई भी नाम्ची सिंगिथांग निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीत गई है। वहीं राज्य के प्रमुख विपक्षी दल एसडीएफ के लिए विधानसभा चुनाव 2024 बेहद निराशाजनक रहा। एसडीएफ पार्टी के केवल एक उम्मीदवार तेंजिंग नर्बु लाम्टा ने जीत हासिल की। पूर्व मुख्यमंत्री एवं एसडीएफ अध्यक्ष पवन कुमार चामलिंग ने दो निर्वाचन क्षेत्रों, पोकलोक कामरांग और नाम्चेबुंग से चुनाव लड़ा, लेकिन वह दोनों निर्वाचन क्षेत्रों से हार गए। पिछले 40 साल से लगातार चुनाव जीत रहे और 25 साल तक मुख्यमंत्री रहकर देश में इतिहास रचने में कामयाब रहे चामलिंग को इस बार हार का सामना करना पड़ा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस हार से उनका राजनीतिक भविष्य और एसडीएफ पार्टी का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। राज्य में गंगटोक जिले के सियारी निर्वाचन क्षेत्र में ही एसकेएम पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। एसकेएम ने पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा को टिकट दिया था जबकि एसडीएफ उम्मीदवार तेंजिंग नर्बु लाम्टा ने इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीता। राज्य की एकमात्र संघ सीट को लेकर भी काफी अटकलबाजी हुई थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार पूर्व मंत्री छितेन टाशी भोटिया को सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी के पूर्व विधायक सोनम लामा के लिए एक बड़ी चुनौती माना जा रहा था। हालांकि सोनम लामा की जीत के बाद सभी अटकलों पर विराम लग गया है। सबकी निगाहें एसडीएफ के बारफुंग विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार भाइचुंग भोटिया पर भी थीं। चुनाव प्रचार के दौरान उनके समर्थकों की भीड़ देख सभी ने भोटिया की जीत की भविष्यवाणी की थी। हालांकि भारतीय फुटबॉल दल के पूर्व कप्तान को इस बार भी हार का सामना करना पड़ा है। भाजपा ने इस बार *एकला चलो रे* की नीति अपनाई और अपने दम पर चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतरी। इससे पहले, भाजपा ने सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी के समर्थन से उपचुनावों में दो सीटें जीती थीं। हालांकि, इस बार भाजपा एक भी सीट नहीं जीत सकी। प्रदेश भाजपा के सभी दिग्गज नेता चुनाव हार गए हैं। इसी तरह, सिटिजन एक्शन पार्टी (सीएपी) सिक्किम भी परिवर्तन के विकल्प का दावा करते हुए चुनाव मैदान में उतरी। नई पार्टी होने के बावजूद सीएपी अच्छा समर्थन जुटाने में कामयाब रही। लेकिन सीएपी खाता भी नहीं खोल सकी। प्रदेश कांग्रेस की भी ऐसी ही स्थिति रही। उल्लेखनीय है कि राज्य विधानसभा चुनाव 2024 के लिए 19 अप्रैल को मतदान हुआ था। इस साल राज्य में 83.5 फीसदी मतदान हुआ, जो 2019 के चुनाव से 2 फीसदी ज्यादा था। इस चुनाव में कुल 146 उम्मीदवार मैदान में थे। इसी तरह राज्य में एकमात्र लोकसभा सीट के चुनाव के लिए 14 उम्मीदवार मैदान में थे। लोकसभा चुनाव की गिनती देश के अन्य राज्यों के साथ 4 जून को होगी।

कल सुबह आठ ...

विधानसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती चार जून से बदलकर दो जून कर दी गई है। ऐसा इसलिए किया गया है, क्योंकि दोनों विधानसभाओं का कार्यकाल दो जून को समाप्त हो रहा है और इस दिन तक नए सदन का गठन किया जाना है। शनिवार को चुनाव आयोग ने मतगणना व्यवस्था, मतगणना प्रक्रिया और ईवीएम तथा पेपर ट्रेल मशीनों के भंडारण पर नए दिशा-निर्देश जारी किए। इसमें कहा गया है कि चुनाव संचालन नियम, 1961 के अनुसार डाक मतपत्रों की गिनती सबसे पहले रिटर्निंग आफिसर की टेबल पर शुरू की जाएगी। राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, रिटर्निंग अफसरों और जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा रुझानों और परिणामों का स्थानीय प्रदर्शन भी डिजिटल डिस्प्ले पैनल के माध्यम से किया जाएगा। चुनाव आयोग ने आगे कहा कि वह उन मतदाताओं के प्रति बहुत अभिभूत है, जो कई चुनौतियों और दुविधाओं को पार करते हुए मतदान केंद्रों तक पहुंचे। आयोग की यह टिप्पणी लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के लिए वोट डाले जाने के बाद आई है। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि भारतीय मतदाताओं ने 18वीं लोकसभा के गठन के लिए मतदान करने के अपने सबसे प्रिय अधिकार का प्रयोग किया है। भारतीय लोकतंत्र और भारतीय चुनावों ने फिर से जादू कर दिया है। महान भारतीय मतदाताओं ने अपनी जाति, पंथ, धर्म, सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक पृष्ठभूमि से परे एक बार फिर इसे कर दिखाया है।

असम को मिलेगा अपना...

शिक्षा का केंद्र बन जाएगा और निवासियों को अपनी आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा करने में भी मदद मिलेगी। सोशल मीडिया पोस्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि हिमंत विश्व शर्मा इन प्रमुख संस्थानों को आपस में सहयोग करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि आईआईएम असम की स्थापना से बहुविषयक शिक्षा की शक्ति को बढ़ावा मिलेगा। असम के सीएम ने पीएम मोदी की सराहना करते हुए दावा किया कि यह डबल इंजन सरकार की शक्ति को दर्शाता है। केंद्र में भाजपा शासित सरकार को श्रेय देते हुए उन्होंने कहा कि जैसा कि पत्रों से स्पष्ट है, विचार से क्रियान्वयन तक का तीव्र परिवर्तन डबल इंजन सरकार की शक्ति को दर्शाता है। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रति भी आभार व्यक्त किया। राज्य सरकार द्वारा चिन्हित चार भूखंडों में से, साइट चयन समिति ने मराभीता में भूखंड को चुना। असम सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने 16 फरवरी, 2024 को लिखे पत्र में साइट चयन समिति की सिफारिशों को राज्य द्वारा स्वीकार किए जाने की पुष्टि की। इसके बाद, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नए आईआईएम के निर्माण के लिए सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी और आईआईएम अहमदाबाद को इस पहल के लिए संरक्षक संस्थान नियुक्त किया।

असम एग्जिट पोल : जोरहाट ...

रहा है। इस सीट तीन पार्टियों के बीच कड़ी टक्कर रही। कांग्रेस ने असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई को मैदान में उतारा है। वहीं दूसरी तरफ भाजपा से तपन गोगोई मैदान में है। 2019 में जोरहाट सीट पर भाजपा के तपन गोगोई ने जीत दर्ज की थी। टीवी9 भारतवर्ष के एग्जिट पोल के मुताबिक इस बार फिर तपन गोगोई ही 60.38 फीसदी वोट शेयर के साथ फतह हासिल करते दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस से तपन गोगोई को टक्कर देने के लिए मैदान में उतरे गौरव गोगोई एग्जिट पोल के मुताबिक 30.51 फीसदी वोट शेयर के साथ पिछड़ते हुए नजर आ रहे हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा के तपन गोगोई को 51.4 फीसदी वोट मिले थे और कांग्रेस ने सुशांत बरगोहाईं को उम्मीदवार बनाया था जिन्हें 43.5 प्रतिशत वोट मिले थे। असम की दूसरी वीआईपी सीट धुबड़ी है। जहां पर कांग्रेस का 2004 तक दबदबा रहा है। एआईयूडीएफ के नेता बदरुद्दीन अजमल, कांग्रेस के रकीबुल हुसैन, एनडीए से जाबेद इस्लाम मैदान में है। टीवी 9 भारतवर्ष के एग्जिट पोल के मुताबिक भाजपा को 48.92 फीसदी वोट के साथ बढ़त मिल रही है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के रकीबुल हुसैन 36.57 फीसदी वोट मिलते नजर आ रहे हैं। हालांकि चुनाव के फाइनल नतीजे आने में अभी समय है लेकिन एग्जिट पोल के मुताबिक लग रहा है कि बदरुद्दीन अजमल के लिए इस बार एनडीए बड़ी मुसीबत बन कर सामने आई है। एआईयूडीएफ के बदरुद्दीन अजमल ने 2019 के चुनाव में कांग्रेस के अबू ताहिर को हराया था। हालांकि एआईयूडीएफ के नेता बदरुद्दीन अजमल का धुबड़ी को गढ़ कहना गलत नहीं होगा। बदरुद्दीन अजमल साल 2009 से लेकर लगातार 2019 तक इस सीट से जीतते रहे हैं।

रेमल : पीएम ने पूर्वोत्तर ...

बार फिर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने की ओर इशारा कर रहे हैं। अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के अगले 100 दिनों के कार्यक्रम पर भी चर्चा कर सकते हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री देश में भीषण गर्मी एवं लू की स्थिति और बड़े स्तर पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाए जाने से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे।

यह एग्जिट पोल ...

ये एग्जिट पोल फर्जी हैं क्योंकि पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मनोवैज्ञानिक खेल खेल रहे हैं। वे विपक्षी दलों, चुनाव आयोग, मतगणना एजेंटों, रिटर्निंग अधिकारियों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं और ऐसा माहौल बना रहे हैं कि वे वापस आ रहे हैं लेकिन वास्तविकता पूरी तरह से अलग है। राहुल गांधी ने पत्रकारों से कहा कि यह एग्जिट पोल नहीं है। यह मोदी मीडिया पोल है। यह मोदी जी का पोल है। उनका फैंटेसी पोल है। इंडिया अलायंस के लिए सीटों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि क्या आपने सिद्धू मूसे वाला का गाना 295 सुना है? 295। एग्जिट पोल पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि हमें विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में दो तिहाई सीटें जीतेगी। इस देश के लोग बदलाव चाहते हैं। सभी कार्यकर्ता आश्वस्त हैं और मुझे नहीं लगता कि हम कर्नाटक में हारने जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के एग्जिट पोल पर गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि पहले भाजपा कहती थी कि हम सभी 26 सीटें पांच लाख वोटों के अंतर से जीतेंगे, लेकिन अब वो ऐसा नहीं कह रहे हैं। 12 सीटों पर हम भाजपा को कड़ी टक्कर दे रहे हैं और कांग्रेस 4-5 सीटें जीतेगी। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि सभी सर्वेक्षणों में कांग्रेस पार्टी को सात से नौ सीटें दी गई हैं। हम नौ सीटों पर आगे हैं, एक सीट आप के खाते में जाएगी और तीन सीटें ऐसे उम्मीदवारों को मिलेंगी जो किसी भी तरह से एनडीए या पीएम मोदी की मदद नहीं करेंगे। मेरा मानना है कि इंडिया गठबंधन को कम से कम 10 सीटें मिलेंगी... पंजाब में एनडीए को एक भी सीट नहीं मिलने जा रही है। राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राजस्थान में इंडिया गठबंधन 11-12 सीटें जीतने जा रहा है और आठ सीटों पर एक करीबी मुकाबला है। वे (एनडीए) राज्य में सात सीटों तक सीमित हैं। हमें किसी भी कीमत पर भाजपा से एक सीट ज्यादा मिलने वाली है।

केजरीवाल ने तिहाड़ ...

कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 5 जून (बुधवार) तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अदालत ने कहा कि ईडी ने हाल ही में अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया था। अंतरिम जमानत पर होने के कारण आवेदन लंबित था। आज उनके सरेंडर के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट के ड्यूटी जज ने अर्जी ली। संबंधित न्यायिक ने उसे 5 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला किया। दिल्ली के सीएम केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट (एससी) द्वारा दी गई अंतरिम जमानत पर 10 मई (शुक्रवार) को जेल से रिहा कर दिया गया। जमानत की अवधि 1 जून (शनिवार) को समाप्त हो गई, जिस दिन आम चुनाव का सातवां और आखिरी चरण हुआ था। उन्होंने पार्टी कार्यालय में आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मैं जेल वापस जा रहा हूं, इसलिए नहीं कि मैं भ्रष्टाचार में शामिल था, बल्कि इसलिए कि मैंने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाई। आप नेता ने कहा कि उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान *देश को बचाने* के लिए प्रचार किया। उन्होंने कहा कि मुझे उच्चतम न्यायालय से 21 दिन की राहत मिली थी। ये 21 दिन अविस्मरणीय थे। मैंने एक मिनट भी बर्बाद नहीं किया। मैंने देश को बचाने के लिए चुनाव प्रचार किया। आम आदमी पार्टी महत्वपूर्ण नहीं है, यह गौण है। देश प्रथम है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के लिए तीसरी बार सत्ता में आने का अनुमान जताने वाले सभी एग्जिट पोल *फर्जी* हैं।

विपक्ष को मिलेंगी ...

उदय भान ने दावा किया कि पार्टी ने राज्य में शानदार चुनाव लड़ा है और कांग्रेस को 8 सीटें मिलेंगी। इसी तरह से गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल ने दावा किया कि पार्टी 4 से 5 सीटें जीतेगी और करीब 12 सीटों पर हमारा कड़ा मुकाबला है। इसी तरह से राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष ने दावा किया कि वहां पार्टी 12 से 13 सीटें जीतेगी। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि एग्जिट पोल में कांग्रेस को यहां 7 से 9 सीटें मिलने का दावा किया जा रहा है और उनका भी मानना है कि पंजाब में कांग्रेस 9 सीटें जीतेगी। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने दावा किया कि कांग्रेस को राज्य में 16 सीटें और गठबंधन को 38 से 40 सीटें मिलेंगी। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान एग्जिट पोल और असल नतीजों के बीच के अंतर को दर्शाते हुए दावा किया कि यहां की दो-तिहाई सीटें कांग्रेस के खाते में जाएंगी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू ने दावा किया कि सभी चार सीटों पर कड़ी टक्कर है और दो पार्टी के पक्ष में जा रही हैं। झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने दावा किया कि यहां पार्टी गठबंध में 8 से 10 सीटें जीतेगी। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने दावा किया कि राज्य में गठबंधन को 20 से ज्यादा सीटें मिलेंगी।

96% मुस्लिम आबादी ...

ओर से सार्वजनिक धार्मिकता के प्रदर्शन को दबाता है और अल्पसंख्यक समुदायों पर अत्याचार करता है। शादी और अंत्येष्टि भोज पर प्रतिबंध है, साथ ही दाढ़ी रखने और हिजाब पर भी प्रतिबंध है। अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में दुशानबे में इस्लामिक किताबों की दुकानों को जबरन बंद कर दिया गया था। वहीं सरकार की मंजूरी के बिना यहां धार्मिक सामग्री का आयात भी नहीं किया जा सकता। हालांकि 2023 में इसे फिर खोल दिया गया था।जानकारी के मुताबिक फिर खोली गई दुकानों को अब इस्लामी किताबें बेचने की इजाजत नहीं है। ताजिकिस्तान सरकार कट्टरपंथ को रोकने के लिए अपनी नीतियों को आवश्यक बताती है। सरकार अपने देश को इस्लामिक कट्टरपंथ से रोकने के लिए ऐसा करती है। गौरतलब है कि ताजिकिस्तन की सीमा अफगानिस्तान से भी लगती है। इससे पहले द डिप्लोमैट में साल 2015 में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां 18 साल से कम उम्र की छात्राओं को हिजाब पहनने से रोकने वाले भी नियम थे। 18 साल से कम उम्र के बच्चे अंत्येष्टि को छोड़कर सार्वजनिक धार्मिक गतिविधियों में भाग नहीं ले सकते थे। वहीं कानून प्राइवेट समारोहों जैसे अंतिम संस्कार और शादियों को भी कंट्रोल करता है। सरल भाषा में कहें तो इसके लिए यहां इजाजत लेना होता है। वहीं समारोह में कितने लोग शामिल होंगे, ये सरकार की ओर से तय किया जाता है।

कार्यकर्ताओं से कहूंगी ...

आश्चर्य जताया और तृणमूल कार्यकर्ताओं से मजबूती से डटे रहने का आह्वान किया। ममता ने दावा किया कि उनकी पार्टी टीवी पर दिखाए जा रहे आंकड़ों से दोगुनी सीटें जीतेगी। तृणमूल को कुल कितनी सीटें मिलेंगी, इस सवाल पर ममता ने कहा कि अभी मैं किसी संख्या में नहीं जाऊंगी। अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से गणित लगाने के लिए कहूंगी। जिस तरह से हमने हर क्षेत्र में काम किया है और चुनाव के दौरान हर जगह हमें भारी भीड़ और प्रतिक्रिया देखने को मिली, उससे मुझे नहीं लगता कि लोगों ने हमें वोट नहीं दिया है। वहीं, टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राज्यसभा सदस्य साकेत गोखले ने भी एक्जिट पोल को खारिज करते हुए कहा कि चुनाव परिणाम इस बात से तय होते हैं कि लोग क्या चाहते हैं, न कि इस बात से कि भाजपा और उनके मीडिया मित्र क्या उम्मीद करते हैं। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर किए गए एक्जिट पोल के आंकड़े को साझा करते हुए कहा कि एक नहीं, बल्कि 10 एक्जिट पोल ने भाजपा के पक्ष में भविष्यवाणी की थी। लेकिन अंतिम परिणाम में टीएमसी 215 जबकि भाजपा मात्र 77 सीटें जीती थी। उन्होंने बंगाल में टीएमसी की जीत का विश्वास जताते हुए लिखा कि चार जून का इंतजार करें।

हॉस्टल में खाना खाने ...

रात में भोजन किया था और उसके बाद उन्होंने बेचैनी और उल्टी की शिकायत की। इसके बाद उन्हें इरोड जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां सभी छात्रों की हालत स्थिर बताई गई है।

तिनसुकिया में व्यक्ति ...

उससे संपर्क करने के प्रयास शनिवार सुबह तक असफल रहे, जब उसकी बहन उससे संपर्क करने में सफल रही। संक्षिप्त बातचीत के दौरान, उज्जल को रोते हुए सुना गया और उसने कहा कि वह किसी दूसरी जगह पर है और उसने अपने परिवार से चिंता न करने को कहा। परिवार ने तुरंत पेंगेरी पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मोबाइल ट्रैकिंग का इस्तेमाल करते हुए पुलिस ने पाया कि उज्जल का फोन सिग्नल नगालैंड के मोन जिले में है, जिससे उसके अल्फा (स्वा) से जुड़े होने की आशंका बढ़ गई। उज्जल के लापता होने की खबर से उसके परिवार और समुदाय में काफी खलबली मच गई है। उन्होंने अल्फा (स्वा) कमांडर परेश बरुआ से उज्जल की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने की अपील की है।

भारतीय प्रबंधन संस्थान स्थापित करने का निर्णय ऐतिहासिक व अभूतपूर्व : अभाविप

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने आज गुवाहाटी के पास कामरूप जिले के मारीभिटा में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) की स्थापना की घोषणा की। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के इस निर्णय पर टिप्पणी करते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की राज्य इकाई ने कहा है कि असम में भारत के 22वें आईआईएम की स्थापना असम के उच्च शिक्षा क्षेत्र को एक कदम आगे ले जाएगी और क्षेत्र के समग्र विकास पर व्यापक प्रभाव डालेगी। अभाविप, असम प्रदेश के राज्य सचिव हेरोल्ड मोहन ने फैसले का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि अखिल भारतीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान के निर्माण से व्यापक क्षेत्र में शिक्षा क्षेत्र पर महत्वपूर्ण और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने असम में आईआईएम जैसा उच्च शिक्षा संस्थान स्थापित करने के लिए शिक्षा मंत्रालय को धन्यवाद दिया।

नरेंद्र मोदी को पूर्वोत्तर की जनता का आशीर्वाद है अरुणाचल प्रदेश की जीत : अशोक सिंघल

गुवाहाटी (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव का परिणाम का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। यह परिणाम पूर्वोत्तर की जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को दिया गया आशीर्वाद है। यह बात असम के प्रभारी और असम सरकार के कैबिनेट मंत्री अशोक सिंघल ने व्यक्त किए। असम सरकार के कैबिनेट मंत्री अशोक सिंघल अरुणाचल प्रदेश के चुनाव परिणाम आने के बाद हिन्दुस्थान समाचार के साथ हुई बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरी ऊर्जा के साथ की गई में हनत रंग लाती है। अशोक सिंघल ने कहा कि नरेंद्र मोदी का अथाह प्यार और स्नेह पूर्वोत्तर के लिए है। बीते 10 वर्ष में मोदी के नेतृत्व एवं उनके मार्गदर्शन में पूर्वोत्तर ने जो तरक्की की है। आज पूर्वोत्तर का प्रत्येक राज्य प्रधानमंत्री के नजदीक का रिश्ता है। यह जो रिश्ता है, इसमें बहुत प्यार है, स्नेह है, सम्मान है। अरुणाचल विधानसभा चुनाव में यह जीत मोदी को पूर्वोत्तर की जनता का आशीर्वाद है। अरुणाचल प्रदेश चुनाव में अशोक सिंघल की में हनत के सवाल

पर उन्होंने कहा कि यह सामूहिक प्रयास का नतीजा है। इसका संपूर्ण श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में भाजपा को मिले तीन चौथाई से अधिक बहुमत ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के सामने देश का कोई भी नेता मौजूदा समय में टिक नहीं सकेगा। आज के चुनाव परिणाम ने तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए यह साबित कर दिया कि सूर्योदय की धरती अरुणाचल प्रदेश की जनता का नरेंद्र मोदी के प्रति पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि जितनी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर का दौरा किया है, उतनी बार देश के सभी प्रधानमंत्रियों ने मिलकर भी दौरा नहीं किया था। एक से बढ़कर एक विकास की योजनाएं पूर्वोत्तर में लागू की गई। आज इसी का नतीजा है कि पूर्वोत्तर की जनता ने नरेंद्र मोदी को अपने पलकों पर बैठा लिया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी अरुणाचल प्रदेश को देश का अंतिम नहीं, बल्कि पहला राज्य समझते हैं। वह हमेशा ही कहते रहे हैं कि पूर्वोत्तर पूरे भारत के विकास का इंजन बनेगा। उन्होंने पूर्वोत्तर को अष्टलक्ष्मी की संज्ञा भी दी। न सिर्फ कहने में, बल्कि करने में भी नरेंद्र मोदी पूर्ववर्ती सभी प्रधानमंत्रियों से काफी आगे रहे हैं।

छह तस्कर गिरफ्तार, 1.9 किग्रा हेरोइन बरामद

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में 1.9 किग्रा हेरोइन के साथ छह तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। कछार पुलिस ने आज बताया कि विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर कछार पुलिस ने रामप्रसादपुर, धोलाई और बांसकांदी, लखीपुर में मादक पदार्थों के परिवहन के खिलाफ दो अलग-अलग विशेष अभियान चलाए और छह लोगों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से लगभग 1.900 किग्रा वजन वाली हेरोइन से भरी 150 साबुनदानी बरामद कीं। पकड़े गए आरोपितों की पहचान बिंटू सिंघा (28), राजेन सिंघा (41), एकबार हुसैन (23), बोरजोहना मार (27), रॉबर्ट लालमालसॉन (24) और डैनियल लालरिंगेट (26) के रूप में हुई है। परिवहन में शामिल एक स्कूटी (एएस-08-8747) और एक मारुति जिमी कार (एमजेड-01एबी-3456) को भी जब्त कर लिया गया। काले बाजार में जब्त मादक पदार्थ की कीमत लगभग 9.5 करोड़ रुपए आंकी गई है। मादक पदार्थ की खेप अवैध रूप से चुराचांदपुर, मणिपुर से लाई गई थी। मामले की आगे की जांच जारी है।

मंत्री पीयूष हजारिका ने होजाई जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर लिया स्थिति का जायजा

होजाई (निसं)। जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने आज होजाई जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उल्लेखयोग्य है, कपिली नदी की बाढ़ के कारण होजाई जिले के रायकाटा, दिघलबाड़ी, बिष्णुपुर और अन्य क्षेत्रों के निवासियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री पीयूष हजारीका ने इस क्षेत्र का दौरा किया और लोगों को सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 13 किलोमीटर लंबे बांध के निर्माण का उल्लेख किया। उन्होंने लोक निर्माण और जल संसाधन विभाग के इंजीनियरों और अधिकारियों को स्थानीय विधायकों और जिला आयुक्तों के साथ मिलकर बांधों के निर्माण के लिए प्रारंभिक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने संवाददाताओं से बात करते हुए बतायाबांध के निर्माण का निर्देश पिछले साल माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने दिया था लेकिन कुछ तकनीकी कठिनाइयों के कारण निर्माण कार्य संभव नहीं हो सका। मंत्री हजारिका ने बताया इस समस्या पर आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा एक अध्ययन कराया गया। उन्होंने कुछ दिन पहले अपनी रिपोर्ट हमें सौंपी थी। इसके मुताबिक हम नवंबर से यहां बांध का निर्माण शुरू कर देंगे। उन्होंने आगे कहा उम्मीद है कि इस बांध के बनने के बाद होजाई जिला बाढ़ मुक्त हो जायेगा। वही संवाददाताओं द्वारा लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल पर उनकी प्रतिक्रिया जानी चाही इस पर उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार प्रचंड बहुमत के साथ तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है वहीं असम में भाजपा वह उसके मित्र दाल लगभग 12 सीट्स जीतेंगे। आज मंत्री पीयूष हजारिका के साथ स्थानीय विधायक रामकृष्ण घोष, जिला आयुक्त लचित कुमार दास, अतिरिक्त जिला आयुक्त, पुलिस अधीक्षक, जिला भाजपा अध्यक्ष और जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण और जल संसाधन विभाग के अन्य इंजीनियर और अधिकारी भी मौजूद थे।

पूसीरे ने बंजर भूमि का किया पुनरुद्धार

गुवाहाटी (हिंस)। सतत बदलाव के प्रति अपनी वचनबद्धता के तहत पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने मालीगांव की बीजी कॉलोनी में बंजर भूमि का पुनरुद्धार कर उक्त स्थान पर सिरिशा रेल उद्यान नामक एक पार्क का निर्माण किया है। पूसीरे हमेशा भावी पीढ़ी के लिए पर्यावरण की रक्षा और ग्रह को संरक्षित करने की पहल करता रहा है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया है कि नवनिर्मित सिरिशा रेल उद्यान पहले एक बंजर भूमि क्षेत्र था। लेकिन जल जमाव और कचरा डंपिंग के कारण यह जगह लगभग एक परित्यक्त स्थिति में पड़ा था, जो समाज और आस-पास रहने वाले निवासियों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक था। यह क्षेत्र वास्तव में भद्दा लग रहा था और असहनीय दुर्गंध ने क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जीवन कष्टमय बना दिया था। पूसीरे ने उक्त बंजर के हिस्से का पुनरुद्धार किया और स्थानीय समुदाय के लिए एक पार्क का निर्माण किया। पार्क लगभग 5500 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए वाकिंग और रनिंग ट्रैक जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं। इसमें बैठने की व्यवस्था, लॉन क्षेत्र और एक ओपन जिम भी है। पार्क में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग वॉशरूम हैं। पार्क की दीवारों को असम की प्रकृति और सांस्कृतिक इतिहास के बारे में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से चित्रित किया गया है। बच्चों के खेलने के क्षेत्र के अलावा, सौर एलईडी लैंप भी स्थापित किए गए हैं। पार्क में पानी के दो फव्वारों के साथ एक खूबसूरत तालाब भी है। स्थानीय वासिंदों ने पूसीरे के इस पहल की सराहना की है क्योंकि उनलोगों ने कचरा, मक्खियों और मच्छरों को अलविदा कह दिया है। जब से इस जल जमाव क्षेत्र को पार्क में परिवर्तित किया गया है।

मायुमं कामाख्या ने की एक दिवसीय स्वास्थ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच (मायुमं) कामाख्या शाखा ने सत्र 2024 -25 अध्यक्ष स्नेहल बीदासरिया की अध्यक्षता में एक हेल्थ अवरनेस का कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में पधारे क्राउन डायरेक्टर मोहाशीष चौधरी और श्याम कनोजिए ने बताया कि हमारे शरीर को स्वस्थ रखना कितना जरूरी है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सही खान पान, अच्छी नींद का होना बहुत जरूरी है। एक स्वस्थ व्यक्ति ही अपने कार्य को उत्साह के साथ कर पाएंगे।

भारी मात्रा में हेरोइन समेत एक गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। कार्बी आंग्लांग जिले के बोकाजान पुलिस की गुप्त सूचना के आधार पर बरपथार पुलिस ने भारी मात्रा में हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि बोकाजान पुलिस द्वारा दी गई गुप्त सूचना के आधार पर बरपथार पुलिस ने तलाशी के दौरान 271.16 ग्राम हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर बड़ी ही साथ ही शातिराना तरिके से कार (एएस-23एजी-0299) के अंदर 24 साबुनदानी में छुपा कर हेरोइन ले जा रहा था। इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिला निवासी प्रनव बरुवा के रूप में की गई है।

नगरबेड़ा के धीपाड़ा में अजगर बरामद, सनसनी

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप वन प्रभाग के नगरबेड़ा नदी आरक्षित वन अधिकारी के कार्यालय के अंतर्गत में धीपाड़ा में एक अजगर को उद्धार से इलाके में हड़कंप मच गया। यह पता चला है कि में धीपाड़ा गांव के खेत के बीच में एक बड़े अजगर को स्थानीय लोगों के एक समूह ने देखा और चिल्लाया। बाद में जब लोगों ने करीब 10 फीट लंबे अजगर को देखा और इसकी सूचना नगरबेड़ा वन कार्यालय को दी तो फॉरेस्टर की टीम पहुंची और जनता की मदद से अजगर को रेस्क्यू किया और अंत में अजगर को बामुनीगांव वन अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत आने वाले वन क्षेत्र में छोड़ दिया।

डाबर ग्लुकोज ने सिटी क्रिकेट कोचिंग सेंटर, गुवाहाटी के टॉप एथलीटों को सम्मानित किया

गुवाहाटी। डाबर की ओर से इंस्टेन्ट एनर्जी ड्रिंक डाबर ग्लुकोज ने युवाओं में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने तथा देश भर की स्पोर्ट्स एकेडमियों के युवा एथलीट्स को एनर्जी एवं स्टैमिना के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए एक कैंपेन *एनर्जाइज इंडिया* का लांच किया है। इस कैंपेन के तहत डाबर ग्लुकोज ने आज सिटी क्रिकेट कोचिंग सेंटर, गुवाहाटी, असम की में एनर्जी एवं स्टैमिना मैनेजमेन्ट पर एक विशेष जागरुकता सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर जाने-माने विश्षज्ञ तौहीद अली तालुकदार, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच, गुवाहाटी द्वारा संचालित किया गया। वहां पूर्व रणजी खिलाड़ी और संस्थापक सचिव, सिटी क्रिकेट कोचिंग सेंटर, गुवाहाटी के गौतम हजारिका भी मौजूद रहे। सत्र के दौरान एथलीट्स को बताया गया कि किस तरह से वे खेल के दौरान अपने परफोर्मेन्स को बेहतर बना सकते हैं और अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग कर सकते हैं। डाबर ने इस एकेडमी

के टॉप एथलीटों उन्नाभ गोस्वामी, कृष नियोग, अभिज्ञान सिंह और अर्जुन राधा बोरा को सम्मानित किया। को सम्मानित भी किया। हमें खुशी है कि युवा एथलीट्स को एनर्जी एवं स्टैमिना के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए हम *एनर्जाइज इंडिया* कैंपेन लेकर आए हैं। यह कैंपेन उन्हें अपने खेल में एनर्जी के साथ बेहतरीन परफोर्मेन्स देने के लिए प्रेरित करेगा। डाबर एथलीट्स, खेल प्रशंसकों और उन लोगों के लिए परफेक्ट ब्रांड है जो एक्टिव लाईफस्टाईल जीना चाहते हैं। डाबर ग्लुकोज इंस्टेन्ट एनर्जी देता है, ऐस में यह खासतौर पर उन एथलीट्स के लिए बेहतरीन है जो फिजिकल एक्टीविटीज करते हैं। डाबर इंडिया लिमिटेड के सीएसआर और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस के प्रमुख, ब्यास आनंद, ने कहा। तौहीद अली तालुकदार, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच ने एनर्जी सैशन के दौरान युवा एथलीट्स को बताया गया कि खेल में अच्छा परफोर्मेन्स देने के लिए पोषण और हाइड्रेशन बहुत जरूरी है। इस सत्र के दौरान उन्हें बताया गया कि वे किस तरह अपने स्टैमिना और धैर्य में सुधार ला सकते हैं, जो एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ब्यास आनंद, ने आगे कहा डाबर ग्लुकोज हमेशा से युवाओं को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली जीने के लिए प्रेरित करता रहा है। युवा एथलीट्स के साथ यह साझेदारी इसी लक्ष्य की दिशा में एक और कदम है। अपने ताजगी से भरे स्वाद और इंस्टेन्ट एनर्जी के साथ डाबर ग्लुकोज युवा एथलीट्स की एनर्जी बनाए रखने के लिए बेहतरीन विकल्प है, जिसे अपनाकर वे अपना सर्वश्रेष्ठ परफोर्मेन्स दे सकते हैं।

कोकराझाड़ : एसएसबी ने भूटानी शराब के साथ अवैध लकड़ी की जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। सीमा चौकी दादगिरी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या-169/5 से लगभग 20 मीटर भारत की ओर भारत-भूटान गेट के पास वाहन चेकिंग के दौरान भूटान से भारत की ओर आ रहे ट्रक (रजिस्ट्रेशन न. एएस 25 एसए-4702) को संदेहात्मक तौर पर रोक कर वाहन चालक से पूछताछ व चेकिंग के दौरान पत्थर से भरे ट्रक में छिपा कर अवैध रूप से शराब की तस्करी करते हुए पकड़ा गया, तदोपरान्त संबंधित दस्तावेज मांगने पर वाहन चालक द्वारा किसी प्रकार के दस्तावेज चेकिंग टीम को प्रस्तुत करने में असफल रहा। जिस कारण शराब सहित ट्रक को जब्त किया गया। जब्त किए गए शराब व चालक सहित ट्रक को लैंड कस्टम ऑफिस हातीसार को अग्रिम कार्रवाई हेतू सूपुर्द कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर सीमा चौकी टुकड़ाबस्ती व वन विभाग देवश्री की संयुक्त टीम के द्वारा भारत-भूटान पिलर संख्या-162/2 से लगभग 8 किलोमीटर भारत की ओर खुंटी नाकेदारा के जंगल क्षेत्र में रात्रि गस्ती के दौरान लगभग 700 सीएफटी लकड़ी अवैध रूप से तस्करों द्वारा कटी हुई जंगल में पाया गया, जिसे जब्त कर वन विभाग देवश्री को अग्रिम कार्रवाई हेतू सूपुर्द कर दिया गया।

रंगिया : मतगणना के दिन ड्राई डे घोषित

रंगिया (निसं)। देश में शांतिपूर्ण, मुक्त और सफल चुनाव कराकर एक मजबूत लोकतंत्र स्थापित करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने चार जून को होने वाले लोकसभा चुनाव की मतगणना के दिन मतगणना समाप्त होने तक पूरे दिन को ड्राई दे घोषित किया है। ड्राई दे घोषित होने की अवधि के दौरान, नशीले पदार्थों की जमाखोरी, शराब की बिक्री, नशीले पदार्थों के वितरण या होटलों में ऐसी वस्तुओं के उपभोग पर प्रतिबंध है। इस दिन के दौरान शराब बेचने या शराब परोसने के लिए सभी ड्यूटी वार्डन, विदेशी शराब की खुदरा दुकानें या बार या क्लब, होटल, स्टार होटल, देशी शराब की दुकानें या अन्य प्रकार के प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। इसके अलावा इस दौरान किसी भी व्यक्ति द्वारा शराब की जमाखोरी पर रोक लगायी गयी है। आबकारी अधिनियम के माध्यम से जिला आयुक्त द्वारा सघन छापेमारी कर बिना लाइसेंस के मादक द्रव्य के मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भगवान शांतिनाथ के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भोजन वितरण व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। आठगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय (अंतर्गत श्री दिगंबर जैन पंचायत, गुवाहाटी) द्वारा रविवार को 1008 श्री शांतिनाथ भगवान का चार दिवसीय जन्म, तप व मोक्ष कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में एम एस रोड स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल में आठगांव चैत्यालय व्यवस्थापक समिति द्वारा गरीबों के बीच भोजन वितरण किया गया। तत्पश्चात इसी स्थल में शाम 7:00 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें समाज की महिलाओं व नन्हे-नन्हे कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। इस महोत्सव के अवसर पर सोमवार को आठगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में णमोकार

महामंत्र का जाप व 48 दीपक द्वारा भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन किया जाएगा। मालूम हो कि आठगांव चैत्यालय व्यवस्थापक समिति द्वारा इस महोत्सव के उपलक्ष में चार दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसका समापन बुधवार को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ होगा। समिति द्वारा समाज के सभी सदस्यों को इस महोत्सव में शामिल होने का अनुरोध किया गया है। यह जानकारी आठगांव चैत्यालय व्यवस्था समिति द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

संपादकीय

चुनाव को जनता का खौफ

चुनाव चिढ़ाने लगे हैं, वादों के दांतों से डराने लगे हैं। आसमान में चढ़ाते फिर गिरा कर खजूर के पेड़ पर लटका देते हैं जो चुनाव, उन्हीं का पीछा करते अब जनता आगे देखना चाहती है। देश जितना आगे देखेगा, उतनी ही दृष्टि हिमाचली जनता भी प्रत्यक्ष और प्रमाणित करना चाहेगी। जिस देश में मोदी दस साल चले, वहां हिमाचल ने पिछले विधानसभा में पैंतरा क्यों बदला। जिस प्रदेश ने कांग्रेस को सत्ता सौंपी, उसके छह विधायक क्यों सुक्खू सरकार के खिलाफ बगावती हुए। क्या इन चुनावों में पिछले विधानसभा चुनावों का रंज छुपा है या देश के हालात और नए मुद्दों की दीवार पर चढक़र हिमाचल अपना जनादेश खोजेगा। जो भी हो गर्मियों की ऋतु से गर्म स्वभाव के चुनाव में मतदाता की खामोशी निरा संयम तो नहीं। हजारों पोस्टरों और होर्डिंग्स के बीच खुद को दिशाहीन पा रहा मतदाता शायद पूछ रहा है कि इस बार ऐसा क्या खास, जो पिछली बार के मतदान ने उदास किया। चुनाव की ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर भी मतदान की मंजिल पर लुटेरों की बस्ती और अनादर की गलियों में आम नागरिक की उम्मीदें। कितनी गारंटियां अब बंट रहीं और चुनाव रेहड़ी पर बांट रहा देश का मुकद्दर, लेकिन घर में बेटे-बेटी के अरमान उपहास उड़ाते हैं। देश-प्रदेश की नीतियों के गहने पहने उम्मीदवारों का श्रृंगार पहली बार असली और नकली के बीच झूल रहा है तो इसलिए कि राजनीति ने दलबदल को नैतिकता से अलग कर दिया। कौन किसके पलड़े में आबाद और किसने अपनी पार्टी का दामन छोडक़र दूसरे घर का नमक हलाल कर दिया, इस बहस से दूर चुनाव की एकाग्रता में सत्ता का गठजोड़ स्पष्ट है। चुनाव देश के बजाय देश की सरकार के लिए और प्रदेश में भी सत्ता की जय जयकार के लिए हथियाए जा चुके हैं। चुनाव अब लोकतंत्र का पहरावा नहीं, सत्ता का मुजरिम है। न्यायाधीश बनी राजनीति बरगला रही है अपनी ही न्याय पद्धति से चुनाव को चला रही है। यह दीगर है कि चलते चुनाव के साथ जनता कतई नहीं चल रही। जो मीडिया बहस में बोला या तौला जा रहा, उससे दूर छिटक कर क्यों बैठ गई जनता। क्या जनता को गारंटियों की गारंटी पर भरोसा नहीं या नेताओं के रिपोर्ट कार्ड पर इतना संदेह है कि वक्त के जख्म अब कुरेदे नहीं जा रहे। जो प्रचार यह दर्शा रहा कि देश की किस्मत 400 के पार हो रही, उसे भी मालूम नहीं कि मतदाता की खामोशी में पतझड़ का अंदेशा है या वसंत की कलियों में खिलने से पूर्व का संघर्ष है। हिमाचल में अग्निवीर योजना की समीक्षा में भाजपा के लिए प्रदेश की सैन्य पृष्ठभूमि आड़े आ रही है, लेकिन बागी विधायकों की रुसवाई में कांग्रेस की सत्ता को अग्निपरीक्षा देनी पड़ रही है। हिमाचल में चुनाव के एक पक्ष में लाभ की रेखा है, तो दूसरे ही पल हानि की मुद्रा में जनता का खौफ सता रहा है। जनता की कचहरी पहले भी थी, लेकिन पहली बार इसके तेवर बदले हैं। यह चुनाव के भीतर लोकतंत्र की बची खुची मर्यादा के लिए सही वक्त खोज रही है। यहां चुनाव के मायने एक लोकसभा या विधानसभा सीट नहीं, बल्कि लोकतंत्र के सिंहासन पर देश को प्रतिष्ठित करने की जिम्मेदारी है ताकि सत्ता के नशे में कोई एक शख्स पूरी व्यवस्था, लोकतांत्रिक परंपराओं और संस्थानों पर भारी न पड़ जाए। देश की परिस्थितियां, लोकतांत्रिक काबिलीयत के लिए जनता से मुखातिब हैं। जनता खामोश निगाहों में राजनीति के जखीरे लिए यह सोच रही है कि अबकि बार सोच समझ कर इनसाफ न किया, तो यह लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति लापरवाही होगी। देखें सचेत मन से मतदाता की आंखों से तीर निकलता है या तुक्का।

> आसमान में चढ़ाते फिर गिरा कर खजूर के पेड़ पर लटका देते हैं जो चुनाव, उन्हीं का पीछा करते अब जनता आगे देखना चाहती है। देश जितना आगे देखेगा, उतनी ही दृष्टि हिमाचली जनता भी प्रत्यक्ष और प्रमाणित करना चाहेगी। जिस देश में मोदी दस साल चले, वहां हिमाचल ने पिछले विधानसभा में पैंतरा क्यों बदला। जिस प्रदेश ने कांग्रेस को सत्ता सौंपी, उसके छह विधायक क्यों सुक्खू सरकार के खिलाफ बगावती हुए। क्या इन चुनावों में पिछले विधानसभा चुनावों का रंज छुपा है या देश के हालात और नए मुद्दों की दीवार पर चढक़र हिमाचल अपना जनादेश खोजेगा। जो भी हो गर्मियों की ऋतु से गर्म स्वभाव के चुनाव में मतदाता की खामोशी निरा संयम तो नहीं। हजारों पोस्टरों और होर्डिंग्स के बीच खुद को दिशाहीन पा रहा मतदाता शायद पूछ रहा है कि इस बार ऐसा क्या खास, जो पिछली बार के मतदान ने उदास किया। चुनाव की ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर भी मतदान की मंजिल पर लुटेरों की बस्ती और अनादर की गलियों में आम नागरिक की उम्मीदें। कितनी गारंटियां अब बंट रहीं और चुनाव रेहड़ी पर बांट रहा देश का मुकद्दर, लेकिन घर में बेटे-बेटी के अरमान उपहास उड़ाते हैं।

दिल्ली के अस्पताल में और राजकोट के गेम जोन में हुई भीषण अग्नि दुर्घटनाएं हैं

कब तक हादसों का शिकार होते रहेंगे निर्दोष

योगेंद्र योगी

> कानूनों में परिवर्तन के बावजूद ऐसी व्यवस्था नहीं की गई कि हादसे से पहले कानून का उल्लंघन करने से संभावित हादसों के लिए जिम्मेदारी तय की जा सके। इसके विपरीत सरकारें नए हादसों का इंतजार करती रहती हैं। ऐसे हादसे अपितु तो चुनावी मुद्दे बनते नहीं हैं, फिर भी कोई राजनीतिक दल इसका जिक्र करता है तो विपक्षी दल उसके शासन के दौरान हुए हादसों की फेहरिस्त थमा देता है। इससे जाहिर है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकता हादसे घटाने के लिए इंतजाम करने में नहीं है, बल्कि विरोधी दलों की असफलता गिनाने में है।

राजनीतिक दल समस्या के जड़मूल से समाधान करने के बजाय कैसे घडियाली आंसू बहाते हैं, इसका उदाहरण दिल्ली के अस्पताल में और राजकोट के गेम जोन में हुई भीषण अग्नि दुर्घटनाएं हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब इस तरह के हादसों ने देश को झकझोर कर रख दिया हो। ये हादसे बताते हैं कि सरकारी तंत्र में किस हद तक भ्रष्टाचार और लापरवाही की जंग लग चुकी है। कानूनों में परिवर्तन के बावजूद ऐसी व्यवस्था नहीं की गई कि हादसे से पहले कानून का उल्लंघन करने से संभावित हादसों के लिए जिम्मेदारी तय की जा सके। इसके विपरीत सरकारें नए हादसों का इंतजार करती रहती हैं। ऐसे हादसे अपितु तो चुनावी मुद्दे बनते नहीं हैं, फिर भी कोई राजनीतिक दल इसका जिक्र करता है तो विपक्षी दल उसके शासन के दौरान हुए हादसों की फेहरिस्त थमा देता है। इससे जाहिर है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकता हादसे घटाने के लिए इंतजाम करने में नहीं है, बल्कि विरोधी दलों की असफलता गिनाने में है। दिल्ली के विवेक विहार स्थित न्यू बॉर्न बेबी केयर सेंटर में आग लगने से सात बच्चों की मौत हुई थी। वहीं, शाहदरा में एक चार मंजिला इमारत में लगी आग की घटना में तीन लोगों की मौत हुई थी। पुलिस के मुताबिक सुविधा में कोई अग्निशामक यंत्र या आपातकालीन निकास नहीं था। दुर्घटना के समय जो डॉक्टर ड्यूटी पर था, वह नवजात प्रोत्साहन देखभाल की आवश्यकता वाले नवजात शिशुओं का इलाज करने के लिए योग्य नहीं था। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय या डीजीएचएस द्वारा अस्पताल को जारी किया गया लाइसेंस दुर्घटना से लगभग दो महीने पहले ही 31 मार्च को समाप्त हो चुका था। इस अग्निकांड में अस्पताल के मालिक डॉ. नवीन खिची को कल गिरफ्तार कर लिया गया। आग लगने के समय ड्यूटी पर मौजूद एक अन्य डॉक्टर को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इसी तरह गुजरात के राजकोट में एक गेम जोन में आग लगने की घटना में 12 बच्चों समेत कुल 27 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति बीरेन वैष्णव और न्यायमूर्ति देवन देसाई की पीठ ने इस हादसे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि इस तरह के

गेम जोन जरूरी मंजूरी लिए बिना बनाए गए हैं। साथ ही हादसे को लेकर कहा कि यह प्रथम दृष्टया मानव निर्मित आपदा है। इससे पहले भी ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति अलग-अलग स्थानों पर होती रही है। 30 अक्टूबर 2022 को गुजरात के मोरबी ब्रिज त्रासदी में 135 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से ज्यादातर महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग थे। 137 साल पुराना सस्पेंशन ब्रिज मरम्मत के बाद पांच दिन पहले ही फिर से खुला था। मोरबी पुल की मरम्मत में जिन सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया था, उनकी गुणवत्ता घटिया थी। इस वजह से पुल की संरचना ही कमजोर बनी। 143 वर्ष पुराने इस पुल का किसी ने कभी संरचनात्मक ऑडिट तक भी नहीं किया था। इस सस्पेंशन ब्रिज के कई केबलों पर जंग लग चुका था, जिस वजह से उनकी भार उठाने की क्षमता पहले के मुकाबले कम हो गई थी। पुल को देखने आए लोगों को किसी आपात स्थिति में बचाने के लिए यहां कोई इंतजाम पहले से नहीं था। इस ब्रिज की मरम्मत को लेकर भी कंपनी के पास कोई कागजात नहीं थे। कंपनी को पुल के मरम्मत का काम दिसंबर तक करने का समय दिया गया था, लेकिन उसने इसे जल्दी खोल दिया। मोरबी पुल हादसे से पहले गुजरात के सूरत के सरथाना इलाके में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से कम से कम 22 छात्रों की मौत और कई अन्य घायल हो गए थे। यह कोचिंग सेंटर तक्षशिला कॉम्प्लेक्स की तीसरी और चौथी मंजिल पर स्थित था। इस कोचिंग सेंटर में ज्यादातर किशोर थे। सभी छात्रों की मौत दम घुटने या कॉम्प्लेक्स से कूदने के कारण हुई। अग्नि या दूसरी दुर्घटनाओं के प्रति सरकारों की गैर जिम्मेदारी का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि देश की राजधानी दिल्ली में इस साल अब तक आग से 55 लोगों की मौत हो गई और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। वर्ष 2023 में इसी अवधि के दौरान 36 लोगों की जान गई थी। देश में पांच साल में 50 हजार से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। वर्ष 2021 में आगजनी की 8491 घटनाएं दर्ज हुई हैं। नेशनल क्राइम रिकॉड्र्स ब्यूरो के मुताबिक 2017 से लेकर 2021 तक पांच साल में आग लगने की 55 हजार 353 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें 54 हजार 280 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 4348 आगजनी की घटनाएं रिहायशी इलाकों और इमारतों में हुईं। इसके बाद कॉमर्शियल इमारतों में 274, गाडिय़ों में 241 घटनाएं हुईं। राहत की बात है कि साल दर साल आग लगने की घटनाओं और मृतकों की संख्या में गिरावट हो रही है। इसी साल आग लगने की कुल घटनाओं में से कम से कम चार घटनाएं ऐसी थीं, जो अस्पतालों में हुई थीं। दिल्ली, मुंबई, जबलपुर और हैदराबाद के अस्पतालों में हुए इन हादसों में नौ लोगों की जान गई थी। इनमें से आठ लोगों की जान जबलपुर के न्यू लाइफ मल्टी स्पेशियलिटी हास्पिटल में हुए हादसे में गई थी। पिछले साल जून में प्रकाशित रिपोर्ट जर्नल ऑफ फेल्योर एनालिसिस एंड प्रिवेंशन के मुताबिक इस हादसे और मौतों के पीछे की मुख्य वजह यह थी कि अस्पताल में इमरजेंसी की हालत में बाहर निकलने के लिए केवल एक ही रास्ता बनाया गया था और वह भी पर्याप्त यानी 3.6 मीटर चौड़ा नहीं था, जो फायर सर्विस की गाडिय़ों के आने-जाने के लिए उपयुक्त होता। इसी रिपोर्ट में बताया गया कि 2023 में झारखंड के धनबाद में आरसी हाजरा मेमोरियल अस्पताल में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की एक बड़ी घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी साल गुजरात के अहमदाबाद में हनी चिल्ड्रंस हास्पिटल में आग लगने के हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई थी। देश के उत्तर-पश्चिमी और केंद्रीय हिस्सों में बसे शहरों में नीतिगत विसंगतियों और अनियंत्रित शहरीकरण के चलते आग लगने की घटनाएं असामान्य नहीं हैं।

दृष्टि कोण

टूटी सडक़ों के दरमियां कुल्लू की सैरगाहें

साल 1970 से लेकर 2024 के मध्य मुझे दर्जनों बार कुल्लू जिले के पर्यटन स्थलों में सैर-सपाटे के अवसर मिले हैं। 1970 में मैंने मनाली से रोहतांग की यात्रा पैदल तय की थी और कोठी से केलांग की सडक़ निर्माणधीन थी। हाल में जब मैं कुल्लू जाते हुए लारजी टनल के पास रुका तो पता चला कि वहां से शांघड़ 30 किलोमीटीर दूर है। लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए मुझे कार में 3 घंटे का वक्त लगा। वाया सैंज आप जब शांघड़ पहुंचते हैं तो पहाड़ के खूब शिखर पर एक विशाल हरा-भरा मैदान आपका स्वागत करता है। चंद साल पहले देश-विदेश में खूब लोकप्रिय रही पहाड़ी भाषा की 'सांझ' फिल्म के ओपनिंग दृश्य इसी अत्यंत मनोरम स्थल पर फिल्माए गए हैं। मगर मुद्दा यह है कि आप कुल्लू के किसी भी शहरी कस्बाई या गांव में भ्रमण या ट्रैकिंग के लिए निकल जाएं, टूटी सडक़ों की दुर्दशा देखकर आप हिमाचल सरकार को कोसे बिना नहीं रह सकेंगे। आपको डिप्रैशन भी हो सकता है। शांघड़ तक पहुंचना और पुनः लारजी के पास फोरलेन तक लौटना एक ऐसा दुष्कर और तनावपूर्ण यात्रा अनुभव है जिसे आप ताउम्र नहीं भूल सकते। 1993-94 में जब कुल्लू में मेरी तैनाती थी, तब भी बाढ़, सैलाब और ब्यास के तटबंध जार-जार होने की घटनाएं आम थीं। जुलाई-अगस्त 2023 में कुल्लू में भयंकर बारिश और बाढ़ के बाद दर्दनाक हादसे दरपेश आए थे। लेकिन स्थानीय लोग इस बात को लेकर क्षुब्ध हैं कि एक साल बाद टूटी सडक़ों की मरम्मत तो हो सकती है। विक्रमादित्य जो माल रोड या रिज पर अपने पिताश्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह को प्रतिमा के लिए दो $गज ज़मीन भी न मिलने के लिए सुक्खू सरकार से क्षुब्ध थे, और मीडिया के समक्ष आंसू बहा रहे थे, लोक निर्माण मंत्री रहते हुए कुल्लू तो क्या, देश की सडक़ों की ओर $खास ध्यान नहीं दिया। सत्ता पाने, उसे बचाए रखने की जंग में हिमाचल की कांग्रेस सरकार इस कदर व्यस्त रही है कि जनसमस्याएं नेपथ्य में सरका दी गई हैं। बेहतर होता अगर सुक्खू हैलीकाप्टर में उड़ते रहने का 'सुख' प्राप्त करने की बजाय

सडक़ों से प्रदेश की यात्रा करते और सूरतेहाल से परिचित होते। बहरहाल, कुल्लू में शांघड़ तो एक महज़ उदाहरण है। बंजार रोड पर शोजा या जलोड़ी पास तक जाने वाली सडक़ भी कई सालों से बेहद खस्ताहाल में रही है। शोजा का मनमोहक पर्यटन स्थल बरबस ही आपको खींच लेता है। यहां कई फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। चंडीगढ़ से मनाली के जिस फोरलेन की चर्चा देशभर में है, उसका सूरते हाल भी पिछले साल की बाढ़ ने बुरी तरह बिगाड़ दिया था। उस पर दिन-रात काम चल रहा है। मोदी भले ही विपक्ष की आलोचना के केन्द्र में हों, गडकरी की तारीफ हर किसी के जुबां पर है। मंडी से कुल्लू के मध्य काफी हद तक फोरलेन की मरम्मत कर उसे बेहतर बना दिया गया है। अप्रैल से जून तक कुल्लू-मनाली में पर्यटकों की भीड़ को देखकर यही लगता है कि हिमाचल में 'एक्सैसिव टूरिज़म' यानी अति पर्यटन के खतरे भी कम नहीं हैं। ऐसा लगता है मानों हिमाचल में शिमला, धर्मशाला और कुल्लू-मनाली के अलावा कोई दूसरा पर्यटन स्थल है ही नहीं। पर्यटन के बेजा दबाव ने इन शहरों के संरचनात्मक ढांचे को तहस-नहस कर डाला है। जब सैलानी सोलंग नाला या रोहतांग से लौटते हुए लेफ्टबैंक की सडक़ से नग्गर की ओर आते हैं तो सडक़ में गड्ढे और टूटे किनारों पर गाड़ी चलाते हुए वे हैरान-परेशान रह जाते हैं। नग्गर बाजार से रोरिक आर्ट गैलरी वाली दो किलोमीटर की सडक़ की ओर लोक निर्माण विभाग का निगाहे-करम गत 30 साल में शायद कभी नहीं हुआ। रोरिक आर्ट गैलरी घाटी के लैंडस्के को देखकर लगता है, आप कोई पेंटिंग देख रहे हों। लेकिन जिस नग्गर में धरोहर के रूप में अनेक पुराने मंदिर हैं, कैसल है, वहां की सडक़ें आपको कई दफा तो रुला देती हैं। 'जब वी मेट' और 'रोज़ा' जैसी फिल्मों के अलावा अनेक फिल्मों की शूटिंग यहां हो चुकी है। अनेक रूसी कलाकार, एम्बैसडेर और डिप्लोमैट रोरिक की धरोहर को देखने आते हैं। उनके ज़हन पर सडक़ों का क्या विपरीत प्रभाव पड़ता होगा, सहज़ ही कल्पना की जा सकती है। यहां 1942 में रोरिक व देविका रानी के निमंत्रण पर नेहरु और इंदिरा गांधी आए थे। मनाली शहर का हिडिम्बा देवी भी एक अत्यन्त भीड़-भाड़ वाला स्थल है, लेकिन वहां भी सडक़ों में गड्ढे इस बात का प्रतीक हैं कि हिमाचल के मुख्यमन्त्रियों और मन्त्रियों में एक बड़े बीचों-बीच का अभाव रहा है। कुल्लू में ही बिजली महादेव के लिए नग्गर से 50 साल पूर्व वन विभाग की एक सडक़ बनी थी जो जंगल ज्यादा सडक़ कम है। आज भी बिजली महादेव जैसे अत्यन्त आकर्षक और नयनाभिराम स्थल तक पहुंचने के लिए सडक़ का मार्ग नहीं है। यह सचमुच कितना खेदजनक है कि लोकसभा चुनाव में हिमाचल की 4 सीटों और 6 विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में स्थानीय मुद्दे गायब हैं।

कुछ अलग

कौन बनेगा प्रधानमंत्री, किसकी बनेगी सरकार?

लोकसभा चुनाव की पिछली 19 अप्रैल से शुरू हुईं सात चरणों के मतदान की प्रक्रिया का आज (शनिवार) को अंतिम चरण भी समाप्त हो रहा है। आज आठ राज्यों और वेंद्र शासित प्रदेशों के 57 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान के बाद सारे देश की निगाहें होंगी एक्जिट पोल और फिर 4 जून को आने वाले आधिकारिक नतीजों पर। अब कयास लगेंगे कि देश में आने वाले समय में कौन सी पाटा या गठबंधन की सरकार बनेगी? देश का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा? पहले की तरह से लोकसभा चुनावों की घोषणा के समय से ही राजनीतिक विश्लेषकों से लेकर ज्योतिषियों ने बताना शुरू कर दिया था कि देश को किस तरह के नतीजे मिलेंगे। यूं तो सभी दलों के अपने- अपने दावे हैं, पर एक राय यह बन रही है कि देश में फिर से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही एनडीए गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। हालांकि उसे राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में पिछले 2019 के चुनावों की तुलना में कम सीटें मिलेंगी। उधर, इंडिया गठबंधन के नेता दावा कर रहे हैं कि सरकार उनकी बनेगी। पहले बात करते हैं चोटी के राजनीतिक चितक बताने वाले योगेन्द्र यादव की। वे राहुल गांधी की एक पदयात्रा में भी शामिल हुए थे। योगेन्द्र यादव के मुताबिक, इन चुनावों में भाजपा को 240-260 और एनडीए के साथी दलों को 35-45 सीटें मिल सकती हैं। देश में सरकार बनाने के लिए 272 सीटें चाहिए। इस बीच, मुंबई के जाने-माने लेखक और ज्योतिषी और स्तंभकार पंडित जेपी त्रिखा पिछले कम से कम दो लोकसभा चुनावों की सटीक भविष्यवाणी कर चुके हैं। उन्होंने 2014 और 2019 में एनडीए की सफलता की भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने ज्योतिष विद्या के आधार पर 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों पर भी गहन शोध के बाद अपनी भविष्यवाणी कर दी है। पंडित त्रिखा कहते हैं, 'मेरा ज्योतिष अध्ययन स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीतने वाली पाटा बनने जा रही जा रही है। इस मामले पर कोईं बहस नहीं होनी चाहिए। वे देश में अगली सरकार भी बना लेंगे। हां, नईं सरकार के सामने लगातार चुनौतियां आती रहेंगी। नईं सरकार को चुनौतियां का संभल कर सामना करना होगा।' इस बीच, लोकनीति के संदीप शास्त्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर तो इस बार देश में 'मोदी लहर' देखने को नहीं मिली, लेकिन राज्यों में छोटी-छोटी लहरें जरूर हैं। राज्यों में 'मोदी हवा के झोंके', जरूर चल रहे हैं। 2004 का चुनाव परिणाम सामने आने के बारे में अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था- कौन क्यों जीता पता नहीं और कौन क्यों हारा वो भी पता नहीं। इस बार भी वुछ ऐसी ही स्थिति देखने को मिल रही है। वहीं, भाजपा का आंकड़ा 304 से ऊपर रहता है या नीचे जाता है, यह दो राज्य तय करेंगे। ये राज्य हैं महाराष्ट्र और पामि बंगाल। संदीप शास्त्री ने इशारों ही इशारों में बता दिया कि देश में फिर एक बार मोदी सरकार आ सकती है। हालांकि ये भी सच है कि इंडिया गठबंधन के नेता जैसे राहुल गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविद, समाजवादी पाटा नेता अखिलेश यादव वगैरह सब दावा कर रहे हैं कि देश में इस बार मोदी सरकार नहीं बनने जा रही है। इनका कहना है कि गठबंधन को 300 सीटें मिलने जा रही हैं। ये कह रहे हैं कि भाजपा को सिर्प 220 सीटें मिल सकती हैं। प्रख्यात पॉलिटिकल कमेंटेटर और डेटा साइंटिस्ट सुरजीत भल्ला कह रहे हैं कि भारत के लोगों को बीते दस सालों के दौरान जो तरक्क़ी देश में देखी है इतनी तरक्की सत्तर साल में

देश दुनीया से

सवा दो महीने की चुनाव यात्रा में हमने देश को प्रभावित करने वाले असल मुद्दों पर जनता की राय जानी

> हमने यह भी जाना कि ऐसे कौन-से दस बड़े मुद्दे रहे जिनके इर्दगिर्द पूरा चुनाव प्रचार केंद्रित रहा। नेता चाहे किसी भी दल के रहे हों उनके भाषणों और वादों में इन मुद्दों का कहीं ना कहीं जिक्र जरूर रहा। आइये नजर डालते हैं इन मुद्दों पर- मुफ्त रेवड़ियां ऐसा विषय रहा जो सभी पार्टियों के वादों में किसी ना किसी रूप से शुमार रहा। भाजपा ने मुफ्त राशन अगले पांच साल तक देते रहने का वादा किया हालांकि पार्टी का कहना है कि यह मुफ्त रेवड़ी की श्रेणी में नहीं आता। इसके अलावा विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों ने अपने घोषणापत्रों और जनता से किये गये वादों में तमाम चीजें मुफ्त में देने का वादा किया है।

चुनाव 2024 के लिए लगभग दो महीने तक चले प्रचार अभियान के दौरान तमाम तरह के मुद्दे उभर कर आये और देखा जाये तो हर चरण के मुद्दे अलग-अलग रहे। प्रभासाक्षी ने अपनी चुनाव यात्रा के दौरान दस ऐसे बड़े मुद्दों को पहचाना जिसका पूरे भारत में असर रहा। हमने यह भी जाना कि ऐसे कौन-से दस बड़े मुद्दे रहे जिनके इर्दगिर्द पूरा चुनाव प्रचार केंद्रित रहा। नेता चाहे किसी भी दल के रहे हों उनके भाषणों और वादों में इन मुद्दों का कहीं ना कहीं जिक्र जरूर रहा। आइये नजर डालते हैं इन मुद्दों पर- मुफ्त रेवड़ियां ऐसा विषय रहा जो सभी पार्टियों के वादों में किसी ना किसी रूप से शुमार रहा। भाजपा ने मुफ्त राशन अगले पांच साल तक देते रहने का वादा किया हालांकि पार्टी का कहना है कि यह मुफ्त रेवड़ी की श्रेणी में नहीं आता। इसके अलावा विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों ने अपने घोषणापत्रों और जनता से किये गये वादों में तमाम चीजें मुफ्त में देने का वादा किया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि यह पैसा कहां से आयेगा। तुलनात्मक रूप से अध्ययन करें तो यह देखने को मिलता है कि मुफ्त सौगातों के वादे सबसे कम भाजपा ने ही किये हैं। इन मुफ्त सौगातों को लेकर देश की जनता भी बंटी हुई नजर आई है। अधिकांश लोगों का कहना था कि हमें मुफ्तखोर बनाने की बजाय सरकार को चाहिए कि हमें आत्मनिर्भर बनाये। कई लोगों का कहना था कि मुफ्त की चीजें सबसे ज्यादा जरूरतमंद व्यक्ति को ही मिलनी चाहिए क्योंकि यह एक तरह से करदाताओं के पैसे की बर्बादी है। कुछ लोगों का कहना था कि सिर्फ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त होनी चाहिए बाकी कुछ भी मुफ्त नहीं होना चाहिए। वहीं कुछ लोगों का कहना था कि मुफ्त चीजें बांटने की जगह महंगाई को कम कर देना चाहिए। लोकसभा चुनावों के ऐलान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर देश भर में निकाली गयी विकसित भारत संकल्प यात्रा के जरिये देश का यह महत्वाकांक्षी मिशन पूरे भारत के कोने-कोने तक पहुँच चुका था। प्रधानमंत्री ने गत वर्ष लाल किले की प्राचीर से दिये अपने भाषण में भी विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की बात कही थी इसलिए जनता इसको लेकर पूरी तरह जागरूक थी। जब हमने देशव्यापी यात्रा की तो पाया कि इस संकल्प के सिद्ध होने में किसी को कोई शक नहीं था बल्कि लोग इस संकल्प को सिद्ध करने के लिए अपने तमाम तरह के सुझाव देते दिखे। लोगों का कहना था कि हमने पिछले दस सालों में यह महसूस कर लिया है कि हम कुछ भी कर सकते हैं। हम 11वीं से अगर पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं, हम चंद्रमा के दक्षिणी पोल पर पहुँचने वाला पहला देश बन सकते हैं, हम महामारी के समय कुशलता के साथ उसका सामना कर सकते हैं, हम महामारी के समय नेगेटिव में चली गयी विकास दर को चंद महीनों में दुनिया की सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बना सकते हैं तो हम विकसित भारत भी बन सकते हैं। विपक्ष ने चुनाव की शुरुआत से लेकर अंत तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जिस बात को लेकर सबसे ज्यादा हमले किये वह थे संविधान और लोकतंत्र को खतरे में बताना। विपक्ष की ओर से यह बात फैलाई गयी कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आ गयी और मोदी फिर से प्रधानमंत्री बन गये तो यह आखिरी चुनाव होगा और भारत में भी रूस और उत्तर कोरिया जैसा शासन हो जायेगा। जब हमने ग्रामीण क्षेत्रों के बीच जनता का मन टटोला तो खासतौर पर

पिछड़े वर्ग के लोगों ने कहा कि हमें सड़क और बिजली नहीं चाहिए पर संविधान में हमें जो अधिकार दिये गये हैं वह नहीं खत्म होने चाहिए। हमने पाया कि विपक्ष ने जो भ्रम फैलाया था कि यदि भाजपा फिर सत्ता में आई तो गरीबों और पिछड़ों के अधिकार छीन लेगी उसका निचले स्तर पर काफी असर हो रहा था। इस भ्रम को दूर करने के लिए सत्ता पक्ष की ओर से कोई प्रयास भी नहीं किये जा रहे थे जिससे भाजपा को नुकसान की संभावना हमें दिखाई दी। हालांकि इस मुद्दे को लेकर अधिकांश लोगों का कहना था कि संविधान और लोकतंत्र को कोई खत्म नहीं कर सकता और यदि किसी ने ऐसे प्रयास किये तो जनता सड़कों पर उतर आयेगी। लोगों ने कहा कि कृषि कानूनों को वापस लेने वाली मोदी सरकार जनता की ताकत जान गयी है और उसे पता है कि संसद में बहुमत के दम पर तानाशाही या मनमानी नहीं की जा सकती। देश भर में भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों को लेकर विपक्ष का आरोप था कि उसे परेशान किया जा रहा है और सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। विपक्ष ने ईडी-सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए जनता से समर्थन भी मांगा लेकिन जब हमने जनता से बात की तो सभी का यह कहना था कि यह बहुत अच्छा काम हो रहा है।

आप का नजरीया

क्या मुख्यमंत्री बीमार हैं?

यह बेहद गंभीर सवाल है कि ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की गिरती सेहत और बिगड़ती तबीयत के खिलाफ कोई साजिश कर सकता है क्या? क्या एक मुख्यमंत्री की सुरक्षा-व्यवस्था के साथ ऐसा नियमित खिलवाड़ संभव है? मुख्यमंत्री नवीन पटनायक हैं, लेकिन उनके डिजिटल हस्ताक्षरों का दुरुपयोग कर कोई लॉबी सत्ता का अवैध संचालन कर सकती है? क्या सत्ता और सरकार की लोकतांत्रिक व्यवस्था इतनी कमजोर हो सकती है? जनादेश किसी राजनेता के आह्वानों और उसके राजनीतिक दल को मिले, लेकिन सत्ता अदृश्य रूप से कोई और चलाए, क्या हमारी संवैधानिक व्यवस्था में ऐसे भी छिद्र हैं? 18वीं लोकसभा के लिए आम चुनाव आज समाप्त हो रहा है। चुनाव-प्रचार पर तो 30 मई को ही पटाक्षेप हो गया था। ढेरों अनाप-शनाप मुद्दे उठाए गए। संविधान बदलने और लोकतंत्र खत्म होने की हास्यास्पद राजनीति भी की गई, लेकिन इस मुद्दे पर किसी भी पक्ष ने चिंता और सरोकार नहीं जताए, जो सीधा 'जनसेवक' के स्वास्थ्य से जुड़ा है और उसके यथार्थ को जानने का अधिकार जनता को है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की सेहत को लेकर सवाल जरूर उठाया, लेकिन उसे 'राजनीतिक साजिश' का रंग भी दे दिया, लिहाजा प्रधानमंत्री भी वोट बटोरने की मुद्रा में थे। उनका आशय यह था कि जो मुख्यमंत्री काम करने में 'असहाय' हो, तो उसका विकल्प ढूंढना चाहिए। साफ मायने थे कि विकल्प के तौर पर ओडिशा में भाजपा मौजूद है, लिहाजा उसे ही जनादेश मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने उनका माकूल जवाब भी दिया कि यदि प्रधानमंत्री उन्हें अपना मित्र मानते हैं, तो वह फोन कर तबीयत का हाल पूछ सकते हैं। अलबत्ता वह बिल्कुल ठीक-ठाक और अपना दायित्व निभाने लायक हैं। लेकिन जो दो वीडियो सार्वजनिक हुए हैं, उनमें से एक वीडियो में मुख्यमंत्री चुनावी सभा को संबोधित कर रहे हैं और उनका बायां हाथ इस तरह हिल रहा था मानो वह पार्किन्सन रोग के मरीज हैं! मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रहे, अब उनके निकटस्थ सहयोगी, पूर्व आईएएस अधिकारी वीके पांडियन बार-बार मुख्यमंत्री के हिलते हाथ को ओट में छिपा रहे थे, लेकिन हाथ बार-बार सार्वजनिक हो रहा था। दूसरे वीडियो में एक सहयोगी मुख्यमंत्री के पांव को सहारा दे रहा था, उसी से मुख्यमंत्री स्थिर होकर बैठ पा रहे थे। दरअसल प्रधानमंत्री ने जो सवाल उठाए हैं, वे पांडियन को निशाना बनाकर उठाए हैं। साजिश का मुलम्मा पांडियन पर ही चढ़ाया जा रहा है, लिहाजा प्रधानमंत्री ने यहां तक घोषणा कर दी कि यदि 10 जून को ओडिशा में भाजपा सरकार बनी, तो एक विशेष समिति गठित कर जांच कराई जाएगी कि नवीन बाबू की तबीयत इस कदर बिगड़ती क्यों गई है? प्रधानमंत्री मानते हैं कि ओडिशा में परदे के पीछे से एक खास लॉबी सत्ता भोग रही है, जिसे बेनकाब करना जरूरी है, क्योंकि यह लोकतंत्र और जनादेश के खिलाफ है। दरअसल भारत में राजनेता के निजता के अधिकार और जनता के सब कुछ जानने के अधिकार के बीच कुछ 'लक्ष्मण-रेखाएं' खींची गई हैं। भारत में सार्वजनिक संवाद कमोबेश मौन रहने वाला या अल्पभाषी और चौकस रहा है।

चुनाव के दरम्यान मोदी के हर कार्यक्रम में सारथी के रूप में दिखे योगी

लखनऊ (हिंस)। सात चरण में हुए चुनाव और इस दौरान चला लंबा प्रचार अभियान थम चुका है। अब सबकी निगाहें 4 जून को आने वाले परिणामों पर टिक गई हैं। इन सबके बीच शनिवार को विभिन्न सर्वे एजेंसियों की रिपोर्ट पर आधारित एग्जिट पोल के नतीजों ने भाजपा और एनडीए को भरपूर जोश से भर दिया है। एक तरफ जहां मोदी सरकार 400 पार के जादूई आंकड़े को प्राप्त करते हुए तीसरी बार सत्तासीन होने जा रही है तो यूपी में भी बेहतरीन परिणाम प्राप्त होने की उम्मीद है। अब इस बात पर भी चर्चा हो रही है कि यूपी में मोदी और योगी की जोड़ी एक बार फिर सुपरहिट साबित हुई है। लोकसभा चुनाव के दौरान दोनों नेताओं के बीच आपसी कैमेस्ट्री भी काफी मजबूत दिखी। एग्जिट पोल में यूपी के शानदार परिणामों ने भी मोदी योगी के बीच बेहतरीन टीम वर्क होने का पुख्ता प्रमाण पेश किया है। मेरठ से लेकर मीरजापुर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तकरीबन 21 कार्यक्रमों में एक दूसरे के साथ रहे। इस दौरान 13 जनसभाएं, 5 रोड शो, वाराणसी में नामांकन और काशी विश्वनाथ मंदिर व काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन के दौरान दोनों नेताओं का एक दूसरे के प्रति सम्मान और आपसी विश्वास को बढ़ाने वाले संवादों की चर्चाएं हर जगह हुईं। इसके

अलावा इस दौरान के कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए जिसने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के बीच बढ़ रहे भरोसे को और भी पुख्ता किया। इनमें पीलीभीत में आयोजित जनसभा के दौरान जब मुख्यमंत्री मंचीय उद्बोधन के लिए प्रधानमंत्री के पीछे से डायस की ओर जाना चाहते थे, तभी प्रधानमंत्री द्वारा उनका हाथ पकड़कर सामने से जाने के लिए आग्रह करना सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर जबरदस्त वायरल हुआ। इसके अलावा काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रधानमंत्री को त्रिशूल भेंट करने वाले वीडियो को भी इंटरनेट यूजर्स ने हाथों हाथ लिया और ये वीडियो भी लंबे समय तक ट्रेंडिंग बना रहा। पीएम मोदी के साथ 21 कार्यक्रमों में से 15 जनसभाओं में मोदी-योगी ने एक दूसरे के प्रति अपने विश्वास को खुलकर प्रदर्शित किया। प्रधानमंत्री ने सीएम योगी को अपना मुख्यमंत्री बताते हुए खुद को इस बात के लिए गौरवान्वित महसूस करने वाला बताया कि योगी जैसा साथी उनके साथ है। वहीं योगी के कार्यों की तारीफ तो उन्होंने हर कहीं की। खासकर प्रदेश की कानून व्यवस्था में हुए जबरदस्त सुधार को पीएम मोदी ने अपनी हर रैली में सराहा। *हमारे योगी जी, मेरे योगी जी* जैसे प्रधानमंत्री के संबोधनों ने भी दोनों नेताओं के बीच प्रगाढ़ रिश्तों को प्रदर्शित किया। वहीं जनता भी *मोदी है तो मुमकिन है और योगी है तो यकीन है* के नारों से दोनों नेताओं की जोड़ी को यूपी में खूब पसंद किया। फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार के मिशन में अहर्निश जुटे योगी ने बीते दो माह में यूपी के सभी 80 सीटों पर प्रचार किया। ताबड़तोड़ जनसभाएं की। इनमें से कई सीटों पर तो योगी दो से तीन बार चुनाव प्रचार करने पहुंचे। इसके अलावा कुल 12 राज्य और दो केंद्र शासित प्रदेशों में योगी ने जनसभाएं करके प्रधानमंत्री के पक्ष में मतदान की अपील की। इसके साथ ही प्रदेश में प्रधानमंत्री के साथ हर बड़े मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साए की तरह साथ रहे। जनसभाएं ही नहीं, मंदिरों में दर्शन-पूजन से लेकर पीएम के नामांकन में भी योगी प्रधानमंत्री के साथ साथ दिखे। वहीं चाहे रोड शो हो या जनसभाएं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हरदम पीएम मोदी के दाहिनी तरफ दिखे। इससे भी जनता के बीच बड़ा संदेश गया।

अरुणाचल ने दिया संदेश, चार जून को फिर बनेगी मोदी सरकार : प्रकाश पाल

पदाधिकारियों ने मतगणना तैयारियों की समक्षी की

कानपुर (हिंस)। अरुणाचल विधानसभा की रविवार को हुई मतगणना में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनने जा रही है। अरुणाचल ने जिस तरह से स्पष्ट संदेश दिया है , उससे साफ है कि चार जून की मतगणना बाद एक बार फिर केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनेगी। यह बातें रविवार को भाजपा कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कही। लोकसभा चुनाव की चार जून को मतगणना होनी है, इसे लेकर रविवार को क्षेत्रीय कार्यालय पर भाजपा नेताओं की बैठक हुई। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बताया कि बैठक में तय किया गया कि कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी 10 लोकसभा क्षेत्र में जिला प्रभारी एवं लोकसभा प्रभारी अपने-अपने प्रभार जिलों/लोकसभा में उपस्थित रहेंगे। यह भी तय किया गया कि क्षेत्रीय मुख्यालय पर कंट्रोल रूम बनाया जाएगा, जिसमें क्षेत्रीय पदाधिकारी/मॉनिटरिंग टीम के सदस्य प्रात: 8 बजे से ही मोर्चा संभालेंगे। कंट्रोल रूम में मौजूद पदाधिकारी हर राउंड का लेखा-जोखा एवं कहीं भी मतगणना स्थल

पर किसी प्रकार की सूचना आने पर संबंधित अधिकारियों एवं अपने नेताओं को सूचित करेंगे। दोपहर 3:00 बजे भाजपा एनडीए गठबंधन का बहुमत आते ही क्षेत्रीय मुख्यालय पर शाम 6 बजे जश्न भी मनाया जाएगा जिसकी जिम्मेदारी आनंद राजपाल, सुनील बजाज एवं लालू गंगवानी संभालेंगे। क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया कि 4 जून को बहुमत प्राप्त होते ही क्षेत्रीय मुख्यालय को बिजली की झालरों से जगमग किया जाएगा। 4 जून को क्षेत्रीय मुख्यालय पर क्षेत्रीय महामंत्री पूनम द्विवेदी, अनीता गुप्ता, सुनील तिवारी, पवन प्रताप सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष वीना आर्य पटेल, अखिलेश बाजपेई, राम कुमार द्विवेदी, प्रमोद अग्रहरि, मोहित पांडे, दीप अवस्थी, मयंक भट्ट, हर्ष द्विवेदी, वीरेंद्र तिवारी, पवन पांडे, मोहित सोनकर आदि कंट्रोल रूम की जिम्मेदारी संभालेंगे।

हार के डर से बौखलाई कांग्रेस

लोकसभा चुनावों के एक्जिट पोल आने के साथ ही कांग्रेसी अलापने लगे ईवीएम का राग : श्रवण सिंह बगड़ी

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने गोविंद सिंह डोटासरा के वीसी के दौरान दिए जा रहे फीडबैक वाले वायरल वीडियो पर पलटवार करते हुए कहा कि पीसीसी चीफ डोटासरा अपनी पार्टी के आलाकमान को ही गुमराह कर रहे हैं। प्रदेश की जनता जानती है कि विधानसभा चुनाव के दौरान डोटासरा ने सार्वजनिक रूप से दंभ भरते हुए कहा था कि इस बार कांग्रेस 156 सीटों के साथ दोबारा सत्ता में आएगी। परिणाम आने के बाद कांग्रेस की प्रदेश में क्या स्थिति हुई वह किसी से छिपी हुई नहीं है। पिछली कांग्रेस सरकार के समय प्रदेश में युवा, किसान, महिलाएं और दलितों के साथ जो अत्याचार हुआ उसको प्रदेश की जनता भूली नहीं है। पेपर लीक के नाम पर 70 लाख से ज्यादा युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ वहीं सैकड़ों किसानों की जमीनें नीलाम की गई। महिलाओं के साथ दुष्कर्म मामले में राजस्थान देश में सबसे आगे पहुंच गया था। ऐसे में डोटासरा का 11 से 12 लोकसभा सीटों पर जीत का दावा पूरी तरह बेबुनियाद है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने कहा कि प्रदेश की जनता ने लोकसभा चुनाव 2024 में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकासवादी राजनीति पर विश्वास जताया है। देशभर के मीडिया संस्थानों द्वारा किये गए एक्जिट पोल सर्वे में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलता देखकर कांग्रेस ने फिर से ईवीएम का राग अलापना शुरू कर दिया है। कांग्रेस के लिए यह नया नहीं है, जहां भी जिस चुनाव में उन्हे हार मिलती है तब हार का ठीकरा ईवीएम पर ही फोड़ते हैं। प्रदेश की जनता कांग्रेस की नीतियों से पूरी तरह त्रस्त थी इसलिए जनता ने राजस्थान में डबल ईंजन की भजनलाल शर्मा सरकार को चुना। आज सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महज पांच माह में रिकॉर्ड कार्य हुए हैं। भजनलाल सरकार ने ईआरसीपी, पीकेसी लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, पेपर माफियाओं पर नकेल कसने जैसे ऐतिहासिक कार्य किए है। सीएम भजनलाल शर्मा ने भाजपा के संकल्प पत्र में किए 45 फीसदी वादों को पूरा करने का काम किया है।

भाजपा सांसद रामकृपाल पर हमले के मामले में एसआईटी गठित, होगी कठोर कार्रवाई

पटना (हिंस)। बिहार के पाटलीपुत्र लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और वर्तमान सांसद रामकृपाल यादव के काफिले पर मसौढ़ी में शनिवार रात हुए जानलेवा हमले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस मामले में कठोर कार्रवाई की जाएगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार का रूख स्पष्ट है। इस मामले में जो भी दोषी हैं वो नप जाएंगे। उन्होंने कहा कि हार की बौखलाहट से राजद के गुंडों ने रामकृपाल यादव के ऊपर पाटलिपुत्र में फायरिंग कर दी। इसकी जांच के लिए हमने एसआईटी बना दी है और एक-एक पर कठोरतापूर्वक कार्रवाई होगी। राजद फिर बिहार में गुंडाराज बहाल करना चाहती है। इस मौके पर राम कृपाल ने कहा कि शनिवार शाम वह क्षेत्र के पोलिंग बूथ का भ्रमण करने के लिए निकले थे। इस दौरान उन्हें सूचना मिली कि स्थानीय विधायक रेखा देवी बूथ पर मतदान

को बाधित करने की कोशिश कर रही हैं। वह मौके पर पहुंचे। इसके बाद वे दूसरे गांव के लिए निकले तो पहले से ही कुछ लोग बंदूक के साथ वहां मौजूद थे। कुछ लोगों ने उनपर तीन-चार फायरिंग कर दी। इसके बाद जब भाजपा समर्थकों ने पूछा कि सांसद पर गोली क्यों चल रहे हो, तो उन्होंने समर्थकों पर भी राइफल के बट से हमला कर दिया। हालांकि, उनकी जान बच गई। ऐसा हो सकता था कि वे उनकी जान ले लेते। उन्होंने कहा कि हम कभी ऐसा सोच भी नहीं सकते थे। उन्होंने कहा कि पाली और दानापुर में भी उनके कार्यकर्ताओं को पीटा गया। उल्लेखनीय है कि पाटलिपुत्र से भाजपा उम्मीदवार पर शनिवार करीब 7.30 बजे तिनेरी-मठिया गांव के पास उनकी गाड़ी पर कुछ बदमाशों ने फायरिंग कर दी। हालांकि, रामकृपाल यादव पूरी तरह सुरक्षित हैं लेकिन उनके काफिले के साथ चल रहे एक युवक पर उन बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया और उसका सिर फोड़ दिया। अंतिम चरण के मतदान के दिन रामकृपाल यादव के समर्थकों और मसौढ़ी विधायक के बीच विवाद हुआ था। लोग नाराज थे कि विधायक मतदान केंद्र पर कैसे आ गयीं। विवाद की सूचना मिलने पर रामकृपाल यादव भी तिनेरी गांव पहुंच गए थे। जब वहां से रामकृपाल यादव लौट रहे थे तब उन्हें निशाना बनाया गया था। पटना पुलिस ने हमलावारों की पहचान कर लेने का दावा किया है और बताया है कि हमला करने वाले तिनेरी मठिया के ही हैं।

मतगणना को लेकर जिले में चार जून तक धारा 144 लागू

कटिहार (हिंस)। लोकसभा आम चुनाव की 4 जून को होने वाली मतगणना को लेकर जिला दंडाधिकारी सह जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने जिले में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लगाने के आदेश जारी किया है। यह आदेश एक जून से चार जून तक प्रभावी रहेगा। उक्त अवधि में सार्वजनिक स्थलों पर पांच से अधिक लोगों का जमावड़ा नहीं होगा। किसी भी प्रकार का विजय जुलूस/जुलूस, सभा, धरना या प्रदर्शन बिना सक्षम पदाधिकारी की पूर्वानुमति के आयोजित नहीं होगी। जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि चार जून के मतगणना समापन तक ध्वनि-विस्तारक यंत्र का प्रयोग भी बिना सक्षम पदाधिकारी की पूर्वानुमति के नहीं किया जा सकेगा। कोई भी व्यक्ति आग्नेयास्त्र, तीर-धनुष, लाठी, भाला, गंडासा एवं मानव शरीर के लिए घातक कोई भी हथियार का प्रदर्शन नहीं करेंगें।

एसएसबी के उप महानिरीक्षक ने रक्सौल बार्डर का किया निरीक्षण

पूर्वी चंपारण (हिंस)। सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय, नई दिल्ली के उप महानिरीक्षक (प्रचालन)सुधांशु नौटियाल ने रक्सौल बार्डर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने बार्डर पर प्रतिनियुक्त 47वीं वाहिनी के कार्यक्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया और बलकर्मियों के साथ बातचीत की। अपने दौरे के दौरान, उप महानरीक्षक (प्रचालन) ने 47 वी वाहिनी रक्सौल के वाहिनी मुख्यालय रक्सौल, सीमा चौकी (बीओपी) धूपवाटोला, एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) रक्सौल, कस्टम कार्यालय रक्सौल, समवाय मुख्यालय महादेवा, बीओपी हरपुर, और रक्सौल में मैत्री पुल का दौरा किया। इनके दौरे का उद्देश्य परिचालन तत्परता की समीक्षा करना, सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करना, और तैनात बलों की तात्कालिक समस्याओं का समाधान करना था। उप महानरीक्षक ने दौरे के दौरान सैनिक सम्मेलन किया और इसमे इन्होंने जवानों से सीधा संवाद स्थापित किया। इस बातचीत में जवानों की अपनी समस्याओं को सुनकर उप महानरीक्षक ने सकारात्मक पहल सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि सैनिक सम्मेलन एसएसबी में एकता की भावना को बढ़ावा देने और सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रक्सौल दौरे के दौरान इन्होंने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वाहिनी के नए स्थान चिकनी में पौधारोपण भी किया। पर्यावरण की सुरक्षा और संचालन क्षेत्रों में हरित आवरण को बढ़ाने की बल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इन्होंने वाहिनी की परिचालन और प्रशासनिक कार्यप्रणाली का विस्तृत मूल्यांकन किया। मौके पर विकास कुमार, दीपक कृष्ण, रक्सौल एसडीपीओ धीरेन्द्र कुमार व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एग्जिट पोल में मोदी सरकार की जीत की हैट्रिक पर नमामि गंगे ने मां गंगा की आरती उतारी

वाराणसी (हिंस)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में मतदान के बाद रविवार को धर्म नगरी काशी में एग्जिट पोल को लेकर सियासी सरगर्मी दिखी। सुबह से ही लोग चाय पान की दुकानों पर इसको लेकर बहस करते रहे। भाजपा और कांग्रेस गठबंधन के समर्थक इसको लेकर एक दूसरे से मजाक के साथ नोकझोक भी करते दिखे। वहीं, एग्जिट पोल के रिपोर्ट के आधार पर नमामि गंगे के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत की हैट्रिक को लेकर खुशी जताई। दशाश्वमेध घाट पर मां गंगा की आरती उतार कर आभार जताया। कार्यक्रम के संयोजक राजेश शुक्ला ने प्रत्येक मतदाता का अभिनंदन भी प्रकट किया। कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लेकर मां गंगा का पूजन किया। नमामि गंगे के सदस्यों ने स्वच्छता को संस्कार में शामिल करने के पीएम मोदी के आह्वान को ध्यान में रखते हुए गंगा तलहटी की सफाई की। लोगों से गंगा और उसकी सहायक नदियों में गंदगी न करने की अपील की। राजेश शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और कर्मठ कार्यकर्ताओं के परिश्रम, बाबा विश्वनाथ, मां गंगा व जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से भाजपा गठबंधन अभूतपूर्व विजय प्राप्त करने जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित करेगा। यह नतीजे भी एग्जिट पोल की तरह हों, हमने मां गंगा की आरती उतार कर आशीर्वाद मांगा है।

राजेंद्र शर्मा ने सिंगापुर में वैदिक साहित्य में पर्यावरण पर प्रस्तुत किया शोध पत्र

जयपुर (हिंस)। जयपुर के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में सहायक निदेशक डॉ. राजेंद्र कुमार शर्मा ने सिंगापुर में हुई इंटरनेशनल कांफ्रेंस में वैदिक और पौराणिक ग्रंथों में वर्णित पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान दिया। सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी में मेगाफोर्ट, अरबिंदो योग एंड नॉलेज फाउंडेशन और सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस में डॉ. शर्मा ने मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र में जैविक घटकों के विकास के माध्यम से भारतीय संस्कृति के पर्यावरण संरक्षण में योगदान को प्रस्तुत किया। उन्होंने नैतिक दायित्वों से पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए वैदिक दिनचर्या की वैज्ञानिकता को प्रस्तुत किया। वैदिक निंबार्क दर्शन द्वारा पर्यावरण की शुद्धि और प्रदूषण के निस्तारण में आधुनिक दृष्टिकोण की प्रस्तुति दी। जयपुर पहुंचने पर डॉ. शर्मा का केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. सुदेश शर्मा एवं शिक्षकों व छात्रों ने अभिनंदन किया।

झारखंड के सभी 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 66.49 प्रतिशत मतदान

रांची (हिंस)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि सातवें चरण के चुनाव में तीन संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में संपन्न मतदान के बाद सभी पोलिंग पार्टियां लौट आई हैं। सभी इवीएम स्क्रूटनी के बाद स्ट्रांग रूम में सील कर दिए गए हैं। सभी मतगणना केंद्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। रवि कुमार रविवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में मीडिया से मुखातिब थे। उन्होंने बताया कि राजमहल, दुमका और गोड्डा संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 70.88 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसमें राजमहल में 70.78, दुमका में 73.87 और गोड्डा में 68.63 प्रतिशत मतदान हुआ। इसी तरह झारखंड के सभी 14 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का मतदान 66.49 प्रतिशत रहा। रवि कुमार ने बताया कि 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार 2024 के चुनाव में झारखंड के 14 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में से आठ में अधिक मतदान हुआ है। जिन छह संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में 2019 की तुलना में कम मतदान हुआ है, वह सभी बिहार राज्य की सीमा से जुड़े क्षेत्र हैं। उन्होंने कहा कि संभावना है कि उस इलाके में पलायन आदि कारणों से ऐसा हुआ है। मतदान से जुड़ी एक रोचक जानकारी साझा करते हुए उन्होंने बताया कि 14 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में से 12 में महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया है। सिर्फ रांची और जमशेदपुर में पुरुष मतदाताओं ने महिलाओं से अधिक मतदान किया है लेकिन उसका अंतर भी मामूली रहा है। वहीं, 14 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के अंतर्गत पड़ने वाले 68 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया है। सिर्फ 13 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं से अधिक पुरुषों ने मतदान किया है। रवि कुमार ने बताया कि सभी 14 केंद्रों पर मतगणना की तैयारी जारी है। चार जून को सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी। नियमित अंतराल पर हर राउंड के नतीजे की घोषणा होती रहेगी। उन्होंने बताया कि संभावना है कि शाम चार बजे तक मतगणना पूरी हो जाएगी। नतीजे ऑनलाइन भी देखे जा सकते हैं।

हरे कृष्ण कल्चर कैंप में बच्चों ने दिखाया टैलेंट

जयपुर (हिंस)। बच्चों को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने के साथ उनकी गर्मियों की छुट्टियों को सार्थक बनाने के लिए हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर हर साल कल्चर कैंप का आयोजन करता है। इस कैंप में बच्चों को विभिन्न आध्यात्मिक और कलात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाता है। कल्चर कैंप के पहले बैच का शुभारंभ बीस मई को हुआ था। जिसमें बच्चों ने भारतीय म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट, कत्थक नृत्य, भगवद्गीता श्लोक, ड्रामा, कीर्तन, आर्ट क्राफ्ट, थिएटर, ड्राइंग, और पेंटिंग का प्रशिक्षण लिया। दो जून को कल्चर कैंप के पहले बैच का समापन बच्चों के भव्य टैलेंट हंट समारोह के साथ संपन्न हुआ। जिसमें प्रतिभागी बच्चों ने स्टेज पर बहुत ही सुंदर प्रस्तुतियां दीं। इस कार्यक्रम को देखने के बाद वहां उपस्थित सारे मेहमान और अभिभावक भाव विभोर हो गए। हरे कृष्ण कल्चर कैंप के टैलेंट हंट के मुख्य अतिथि थे प्रोफेसर डॉ. टीएन माथुर, वाइस चांसलर, आईआईएस यूनिवर्सिटी और श्री राम प्रकाश अग्रवाल, एमडी, ग्लोब ट्रांसपोर्ट। हरे कृष्ण मूवमेंट के उपाध्यक्ष अनंत शेष दास भी समारोह में उपस्थित थे, जिन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। टैलेंट हंट में प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया और उन्हें जीवन में आध्यात्मिक प्रगति करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्टेज पर परफॉर्म करने के बाद बच्चों के चेहरे पर खुशी और आनंद का अलग ही भाव नजर आया, जिससे सभी बच्चे और उनके अभिभावक बहुत प्रसन्न थे। मंदिर के मीडिया प्रभारी सिद्ध स्वरूप दास ने बताया कि हरे कृष्ण कल्चर कैंप के पहले बैच का बहुत ही सफलतापूर्वक समापन हुआ। बच्चों ने पूरी तल्लीनता से आध्यात्मिक गतिविधियों में भाग लिया। उन्होंने यह भी बताया कि कल्चर कैंप के दूसरे बैच का शुभारंभ 3 जून से हो रहा है और इसका समापन 16 जून को बच्चों के टैलेंट हंट प्रोग्राम के साथ होगा।

हवाला के एक करोड़ एक लाख नेपाली रुपयों के साथ सीमा पर एक गिरफ्तार

अररिया (हिंस)। भारत-नेपाल सीमा से सटे नेपाल के सुनसरी जिला के देवानगंज में नेपाल सशस्त्र पुलिस ने एक करोड़ एक लाख नेपाली रुपए के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। मामले की जानकारी देते हुए सशस्त्र पुलिस के डीएसपी एवं प्रवक्ता शैलेन्द्र थापा ने बताया कि शनिवार की रात्रि सूचना मिली थी कि हवाला के रुपए लेकर घुस्की की तरफ से एक व्यक्ति गुजर रहा है। जिसके बाद वरीय अधिकारियों के निर्देश पर वाहनों के जांच को लेकर कई स्थानों पर चेकपोस्ट लगाया गया। इसी क्रम में जांच के दौरान सुनसरी जिला के हरिनगर गांवपालिका वार्ड संख्या 5 निवासी 37 वर्षीय ईशा अंसारी को पकड़ा गया। जिसके पास से पुलिस ने एक करोड़ एक लाख रुपए नगद बरामद किया। डीएसपी शैलेंद्र थापा ने बताया कि नेपाल और भारत के बीच इन दिनों वृहत पैमाने पर हवाला का कारोबार होता है और जब्त किया गया रकम हवाला के कारोबार से ही जुड़े होने की ही आशंका व्यक्त की जा रही है। डीएसपी शैलेंद्र थापा के अनुसार, सुनसरी के हरिनगर गांवपालिका के दुर्गा मंदिर स्थित सशस्त्र प्रहरी बल, नेपाल बोर्डर आउट पोस्ट बसन्तपुर के चेक प्वाईन्ट टीम के द्वारा यह कार्रवाई की गई। घुस्की नाका से हरिनगर के तरफ जा रहे चार पहिया वाहन संख्या बा16च 7613 के चेकिंग के क्रम में कार के अंदर चावल के बोरी मे छिपा कर रखे गए रकम को बरामद किया गया। बरामद राशि में एक

हजार के नोट नौ हजार सात सौ पीस अर्थात 97 लाख और पांच सौ के आठ सौ पीस अर्थात 4 लाख रूपये की जानकारी दी गई। डीएसपी के अनुसार, पैसा कार के साथ गिरफ्तार चालक ईशा अंसारी ने पूछताछ में बरामद राशि को लेकर किसी तरह श्रोत की जानकारी नहीं दी है। जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि मामले की गहनता और आर्थिक अपराध अनुसंधान को लेकर कार्रवाई के लिए मामले को राजस्व अनुसंधान कार्यालय इटहरी भेजा जा रहा है।

मुकेश अंबानी को पछाड़कर फिर से एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति बने अदाणी, दुनिया में 11वें स्थान पर

मुंबई ।
दिग्गज उद्योगपति गौतम अदाणी मुकेश अंबानी को पछाड़कर एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति बन गए हैं। गौतम अदाणी को अपनी कंपनियों के शेयरों की कीमत में उछाल का फायदा मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गौतम अदाणी की नेटवर्थ 111 अरब डॉलर हो गई है, जो उन्हें एशिया का सबसे अमीर व्यक्ति बनाती है। वहीं मुकेश अंबानी 109 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में आया उछाल

अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी जेफरीज ने समूह के बारे में बेहतर राय पेश की है। इन घटनाक्रमों के बाद समूह की सभी कंपनियों के शेयर 14 प्रतिशत तक चढ़ गए। इससे अडाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में 84,064 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। कारोबार बंद होने के समय अडाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 17.51 लाख करोड़ रुपये हो गया। जेफ्रीज ने अदाणी ग्रुप की विस्तार की एक महत्वकांक्षी योजना का खुलासा किया है, जिसमें जेफ्रीज ने बताया कि अदाणी ग्रुप अगले एक दशक में 90 अरब डॉलर की पूंजी खर्च करेगा। इसके बाद अदाणी ग्रुप की सभी कंपनियों के शेयरों की कीमत में उछाल आया।

अदाणी समूह के लिए चुनौतीपूर्ण रहा था बीता साल

गौतम अदाणी दुनिया के 11वें नंबर के सबसे अमीर उद्योगपति हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बर्नार्ड अर्नौल्ट दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं, जिनकी कुल संपत्ति 207 अरब डॉलर है। अर्नौल्ट के बाद एलन मस्क का नाम आता है, जिनकी कुल संपत्ति 199 अरब डॉलर है। अदाणी समूह के लिए पिछला साल काफी चुनौतीपूर्ण रहा था और रिपोर्ट से हुए खुलासे के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी आरोपों की जांच के आदेश दिए थे। इसका असर ये हुआ कि अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई। हालांकि अब समूह उस झटके से उबर चुका है। बीते हफ्ते ही गौतम अदाणी ने भविष्य में समूह के विस्तार की आशावादी योजना साझा की थी।

न्यूज ब्रीफ

इस हफ्ते 39 भारतीय स्टार्टअप्स ने 387 मिलियन डॉलर से ज्यादा की पूंजी जुटाई

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव के बावजूद इस हफ्ते भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में फंडिंग लगातार जारी रही। देश में कम से कम 39 स्टार्टअप्स ने 387 मिलियन डॉलर से ज्यादा की पूंजी जुटाई, इसमें 13 ग्रोथ-स्टेज के सौदे और 20 अर्ली-स्टेज के सौदे शामिल थे। एनट्रैकर की रिपोर्ट के अनुसार, ग्रोथ-स्टेज के सौदों में 13 स्टार्टअप्स ने 309 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई। बेंगलुरू स्थित स्टार्टअप 15 सौदों के साथ टॉप पर रहे। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और हैदराबाद का स्थान रहा। डीप-टेक स्टार्टअप सेडेमैक ने 100 मिलियन डॉलर जुटाए। इसका इस्तेमाल एक नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट बनाने और भारत, अमेरिका एवं यूरोपीय संघ में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इन्फ्रा डॉट मार्केट ने मार्स यूनिकॉर्न फंड से 50 मिलियन डॉलर जुटाए, वहीं इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी एथर एनर्जी ने ऋण और इक्विटी फंडिंग में 34.5 मिलियन डॉलर प्राप्त किए। एक अन्य ईवी कंपनी यूलर मोटर्स ने अपना सीरीज सी फंडिंग राउंड पूरा कर लिया, जिसमें 23.9 मिलियन डॉलर प्राप्त हुए। ज़िप इलेक्ट्रिक ने भी इस सप्ताह 15 मिलियन डॉलर की पूंजी जुटाई, ताकि कंपनी के बेड़े को 21 हजार से बढ़ाकर 2 लाख इलेक्ट्रिक स्कूटरों तक किया जा सके।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव हुआ, ब्रेंट क्रूड 81 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा है। डब्ल्यूटीआई

क्रूड 76.99 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 81.11 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। महाराष्ट्र में पेट्रोल 32 पैसे और डीजल 30 पैसे महंगा हो गया है। राजस्थान में पेट्रोल 84 पैसे और डीजल 76 पैसे सस्ता हो गया है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल के दाम में गिरावट है। दूसरी ओर हरियाणा में पेट्रोल-डीजल 21 पैसे महंगा हो गया है। उत्तर प्रदेश और पंजाब में भी पेट्रोल-डीजल के दाम में तेजी दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

यौन उत्पीड़न से जुड़े मामलों का समाधान वर्क फ्रॉम होम नहीं, टीसीएस चेयरमैन ने बताया निपटने का तरीका

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा कि यौन उत्पीड़न के मामलों से बचने के लिए घर से काम करना (वर्क फ्रॉम होम) कोई समाधान नहीं है। इसकी बजाय इस मामले में लोगों को शिक्षित करने की जरूरत है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान टीसीएस कर्मचारियों द्वारा रिपोर्ट की गई यौन उत्पीड़न की शिकायतों की कुल संख्या 110 रही जो पिछले वर्ष 49 थी। हालांकि, आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया है कि 2023-24 के आंकड़ों में कर्मचारियों की ओर से विश्व स्तर पर रिपोर्ट किए गए आंकड़े शामिल हैं जबकि 2022-23 के आंकड़े भारतीय परिचालन से जुड़े हैं। टीसीएस में 152 देशों के 6,01,546 कर्मचारी काम करते हैं, इनमें महिलाओं की हिस्सेदारी 35.6 प्रतिशत है। कंपनी की वार्षिक आम बैठक में एक शेयरधारक की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में चंद्रशेखरन ने कहा कि टीसीएस जैसी बड़ी कंपनी में ऐसे मामलों की इतनी संख्या हो सकती है। आगे उन्होने कहा कि ऐसे मामलों का सामधान वर्क फ्राम होम से नहीं बल्कि लोगों को शिक्षित करने से ही संभव है।

लोकसभा चुनाव परिणाम, ब्याज दर से तय होगी शेयर बाजार की दिशा चुनाव नतीजों के बाद विदेशी निवेशकों के रुख पर सभी की नजर रहेगी

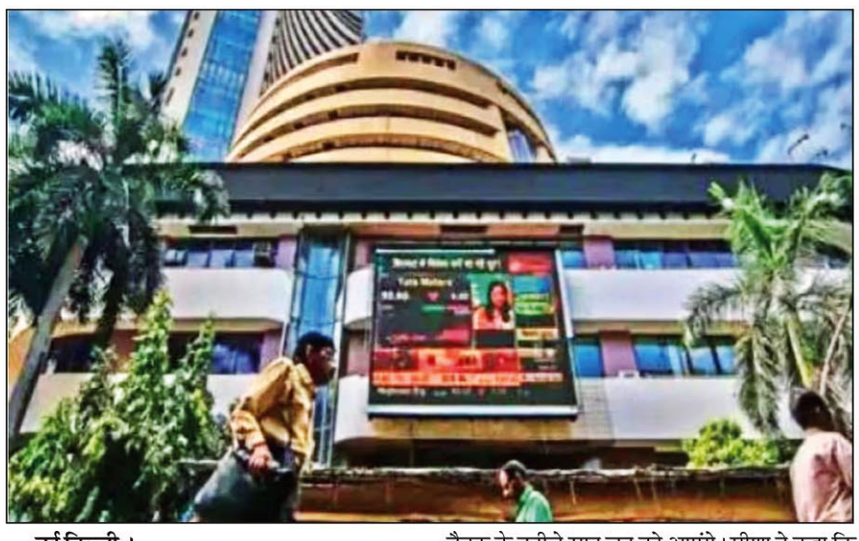

नई दिल्ली ।
इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा आम चुनावों के नतीजों तथा ब्याज दर को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक के निर्णय से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। हालांकि, माना जा रहा है कि एग्जिट पोल में भाजपा की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को बड़ी जीत मिलने की उम्मीद और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के मजबूत आंकड़ों से शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिल सकती है। एग्जिट पोल में भविष्यवाणी की गई है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखेंगे। मतगणना चार जून को होगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि अब सभी की निगाहें सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम आने वाले लोकसभा चुनाव के नतीजों पर हैं। इससे पहले, बाजार भागीदार एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया देंगे। उन्होंने कहा कि बाजार इसे सावधानी के साथ देख रहा है, और एग्जिट पोल के बाद बाजार में उछाल आ सकता है। हालांकि, नतीजे इसके विपरीत आने पर बाजार में कुछ घबराहट देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि चुनाव नतीजों के अलावा बाजार के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक है। एमपीसी की बैठक के नतीजे सात जून को आएंगे। मीणा ने कहा कि चुनाव नतीजों के बाद विदेशी निवेशकों के रुख पर सभी की नजर रहेगी। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका और चीन के वृहद आर्थिक आंकड़े महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विनिर्माण और सेवा पीएमआई के मई के आंकड़े भी इसी सप्ताह आने हैं। बाजार विशेषज्ञों ने कहा एग्जिट पोल के नतीजे जो लगभग 360 सीटों के साथ राजग को स्पष्ट बढ़त दे रहे हैं, उनसे बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि बाजार बंद होने के बाद वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े उम्मीद से बेहतर 8.2 प्रतिशत रहे हैं। इससे भी बाजार को रफ्तार मिलने की उम्मीद है। एग्जिट पोल के साथ-साथ बाजार जीडीपी आंकड़ों पर भी प्रतिक्रिया देगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि अंतिम नतीजे भी एग्जिट पोल की तरह रहे, बाजार से अनिश्चितता दूर हो जाएगी। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,449 अंक टूटा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 426.4 अंक की गिरावट आई। सेंसेक्स 27 मई को 76,009.68 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। उसी दिन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,110.80 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर गया था।

बिजली संयंत्रों के पास 19 दिनों का कोयला, पिछले वर्ष के मुकाबले 30 फीसद ज्यादा

नई दिल्ली। देश भर में पड़ रही भयंकर गर्मी के बीच ताप बिजली संयंत्रों को लगातार काम करना पड़ रहा है। ऐसे में एक अच्छी खबर यह आई है कि इन बिजली संयंत्रों के पास अभी 45 लाख टन कोयला है जो उनकी 19 दिनों के जरूरत के लिए पर्याप्त है। यह कोयला स्टॉक पिछले वर्ष के मुकाबले 30 फीसद ज्यादा है। पिछले वर्ष देश में बिजली की अधिकतम खपत 2.46 लाख मेगावाट हुई थी। बिजली खपत कम होने की उम्मीद लेकिन यह मांग सितंबर, 2023 में देखी गई थी। अभी मई माह में ही बिजली की रिकार्ड खपत 2.50 लाख मेगावाट हो चुकी है। वैसे मानसून का आगमन हो चुका है और इससे बिजली की मांग भी कम होने की संभावना है। साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि मानसून में कोयले की आपूर्ति भी प्रभावित होती है। कोयला मंत्रालय ने बताया है कि मई माह में कोयला की आपूर्ति बढ़ाने की भरसक कोशिश की गई है। ऐसे में बिजली की मांग बढ़ने के बावजूद रोजाना कोयले का औसतन स्टॉक सिर्फ 10 हजार टन ही कम हुआ है। 8 फीसदी ज्यादा हुआ कोयला उत्पादन बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति पर नजर रखने व इसकी राह की अड़चनों को दूर करने के लिए कोयला मंत्रालय, बिजली मंत्रालय, रेलवे मंत्रालय और बिजली संयंत्रों के अधिकारियों को मिला कर एक समिति का गठन किया गया है। इनके बीच सामंजस्य की वजह से ही इस साल कोयला का उत्पादन पिछले वर्ष के मुकाबले 8 फीसद ज्यादा हुआ है। कोयला खदानों के पास अभी 10 करोड़ टन का स्टॉक है जो संयंत्रों को आपूर्ति किये जाने को तैयार हैं। रेल मंत्रालय ने इस साल नौ फीसद ज्यादा रेलवे रैक उपलब्ध कराया है। सरकार की तरफ से मानसून के दौरान कोयला आपूर्ति को बढ़ाने की तैयारी भी है। कोशिश यह है कि 01 जुलाई, 2024 तक बिजली संयंत्रों के पास 42 लाख टन कोयला उपलब्ध रहे।

अप्रैल महीने में भारत में वॉट्सऐप ने बैन किए 71 लाख से ज्यादा अकाउंट

नई दिल्ली ।
मेटा के स्वामित्व वाले वॉट्सऐप ने कहा कि उसने देश के कानूनों का उल्लंघन करने के लिए अप्रैल महीने में भारत में 71 लाख से ज्यादा अकाउंट बैन किए हैं। सोशल मीडिया कंपनी ने एक बयान में कहा कि 7,182,000 बैन किए गए वॉट्सऐप अकाउंट में से 1,302,000 को यूजर्स की रिपोर्ट आने से पहले ही ब्लॉक कर दिया गया था। भारत में 550 मिलियन से ज्यादा यूजर्स वाले इस मशहूर मोबाइल मैसेजिंग प्लैटफॉर्म को देश से 10,554 शिकायतें मिलीं और सिर्फ छह पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई का मतलब है वे शिकायतें जिनमें वॉट्सऐप ने सुधारात्मक कार्रवाई की। नए आईडी नियम के कारण हुए बदलाव नए भारतीय आईटी नियम 2021 के अनुसार अपनी मासिक अनुपालन रिपोर्ट के अनुसार, वॉट्सऐप को देश में शिकायत अपीलीय समिति से दो आदेश भी मिले और उसने दोनों का अनुपालन किया।

कंपनी ने कहा कि हम अपने काम में पारदर्शिता बनाए रखेंगे और भविष्य की रिपोर्ट में अपने प्रयासों के बारे में जानकारी शामिल करेंगे। मार्च में बैन किए गए 79 लाख अकाउंट मार्च में मेटा के स्वामित्व वाले इस प्लेटफॉर्म ने भारत में 79 लाख से ज्यादा अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगा दिया। मार्च में प्लेटफॉर्म को रिकॉर्ड 12,782 शिकायतें मिलीं और रिकॉर्ड 11 पर कार्रवाई की गई। कंपनी इन प्रयासों की देखरेख के लिए इंजीनियरों, डेटा वैज्ञानिकों, विश्लेषकों, शोधकर्ताओं और कानून प्रवर्तन, ऑनलाइन सुरक्षा और प्रौद्योगिकी विकास के विशेषज्ञों की एक टीम को नियुक्त करती है। वॉट्सऐप ने कहा कि हम उपयोगकर्ताओं को ऐप के अंदर से संपर्कों को ब्लॉक करने और समस्याग्रस्त सामग्री और संपर्कों की रिपोर्ट करने में सक्षम बनाते हैं। हम उपयोगकर्ता की प्रतिक्रिया पर पूरा ध्यान देते हैं और गलत सूचना को रोकने, साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने और चुनाव की अखंडता को बनाए रखने में विशेषज्ञों के साथ जुड़ते हैं।

मई में 14 अरब से ज्यादा बार किया गया डिजिटल भुगतान

मुंबई ।
डिजिटल पेमेंट ने भारत को पूरी दुनिया में एक अलग ही पहचान दिलाई है। कई देशों ने पेमेंट का यह सिस्टम अपने यहां भी लागू किया है। नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने हाल ही में यूपीआई ट्रांजेक्शन का आंकड़ा जारी किया है। इससे पता चला है कि देश में यूपीआई ट्रांजेक्शन का नया रिकॉर्ड बना है। देश में मई में कुल 20.45 ट्रिलियन रुपये के यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए हैं। एनपीसीआई डेटा के अनुसार साल 2023 के समान महीने के मुकाबले मई, 2024 में यूपीआई ट्रांजेक्शन का आंकड़ा वॉल्यूम के हिसाब से 49 फीसदी और वैल्यू के हिसाब से 39 फीसदी बढ़ चुका है। मई के दौरान कुल 14.04 अरब यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए हैं। इनमें कुल 20.45 अरब रुपये का लेनदेन हुआ है। अप्रैल, 2024 में 13.30 अरब ट्रांजेक्शन हुए थे। इनमें 19.64 ट्रिलियन रुपये का लेनदेन हुआ था। अप्रैल के मुकाबले मई में वॉल्यूम के हिसाब से 6 फीसदी और वैल्यू के हिसाब से 4 फीसदी की वृद्धि दर्ज

की गई है। अप्रैल, 2016 में शुरुआत के बाद सबसे बड़ा आंकड़ा पार किया। देश में यूपीआई की शुरुआत अप्रैल, 2016 में हुई थी। इसके बाद से यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस दौरान आईएमपीएस ट्रांजेक्शन भी 1.45 फीसदी की तेजी आई और यह 55।8 करोड़ ट्रांजेक्शन पर पहुंच गया। आईएमपीएस ट्रांजेक्शन के जरिए 6.06 ट्रिलियन रुपये का लेनदेन हुआ है। यह आंकड़ा अप्रैल के 5.92 ट्रिलियन रुपये के मुकाबले 2।36 फीसदी बढ़ा है। मई में फास्टैग ट्रांजेक्शन भी 6 फीसदी बढ़कर 34.7 करोड़ पर पहुंच गए हैं।

मई में जीएसटी संग्रह 10 प्रतिशत बढ़कर 1.73 लाख करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली ।
आयात में गिरावट के बावजूद घरेलू लेनदेन से राजस्व में मजबूत वृद्धि के कारण सकल जीएसटी संग्रह मई, 2024 में सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़कर करीब 1.73 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। हालांकि, यह अप्रैल के रिकॉर्ड 2.10 लाख करोड़ रुपये के कर संग्रह की तुलना में 17.61 फीसदी कम है। मई, 2023 में सरकार को जीएसटी के जरिये 1,57,090 करोड़ की कमाई हुई थी। वित्त मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक, 1,72,739 करोड़ रुपये के सकल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी की 32,409 करोड़ और राज्य जीएसटी की 40,265 करोड़ रुपये हिस्सेदारी रही। एकीकृत जीएसटी का योगदान 87,781 करोड़ रहा, जिसमें आयातित वस्तुओं पर जुटाए 39,879 करोड़ रुपये शामिल हैं। कुल उपकर संग्रह 12,284 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान घरेलू लेनदेन से राजस्व में 15.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि आयात में 4.3 फीसदी गिरावट रही। आंकड़ों के मुताबिक, रिफंड के बाद मई के लिए शुद्ध जीएसटी

राजस्व 1.44 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। यह मई, 2023 की तुलना में 6.9 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। केंद्र सरकार ने 67,204 करोड़ रुपये के शुद्ध एकीकृत जीएसटी संग्रह से केंद्रीय जीएसटी के लिए 38,519 करोड़ और राज्य जीएसटी के लिए 32,733 करोड़ रुपये का निपटान किया।

चार वर्ष में 20 देशों तक यूपीआई पहुंचाने की तैयारी

आरबीआई चार वर्ष में यूपीआई को 20 देशों में पहुंचाने की योजना बना रहा है। हालिया सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, इसके लिए संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इस लक्ष्य को 2028-29 तक पूरा किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस लक्ष्य के लिए एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लि. (एनआईपीएल) के साथ काम कर रहा है। 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए यूपीआई को बढ़ाया जा रहा है। इसके लिए यूरोपीय संघ और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) जैसे देशों के समूह के साथ फास्ट पेमेंट सिस्टम (एफपीएस) सहयोग के साथ-साथ बहुपक्षीय संबंधों का भी पता लगाया जाएगा। इसी के तहत जुलाई 2023 में आरबीआई और यूएई के केंद्रीय बैंक ने भुगतान के बुनियादी ढांचे को आपस में जोड़ने के लिए एक समझौता ज्ञापन किया था।

गॉडफ्रे फिलिप्स के कार्यकारी निदेशक समीर मोदी ने अपनी मां पर लगाया हमले का आरोप

नई दिल्ली ।
गॉडफ्रे फिलिप्स के कार्यकारी निदेशक समीर मोदी ने अपनी मां वीणा मोदी पर खुद पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इससे दिवंगत केके मोदी के परिवार के सदस्यों के बीच विरासत का विवाद बढ़ गया। समीर मोदी ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि जसोला में गॉडफ्रे फिलिप्स की निर्धारित बोर्ड बैठक में घुसने का प्रयास करने पर उनकी मां के पीएसओ (सुरक्षाकर्मी) ने उनका हाथ पकड़कर उन्हें गंभीर चोट पहुंचाई। सुरक्षा कर्मी ने ऐसा उनकी (वीणा मोदी) और कुछ अन्य बोर्ड निदेशकों के निर्देश पर किया।

समीर मोदी की मां वीणा मोदी ने पहले कंपनी में उनकी हिस्सेदारी खरीदने की पेशकश की थी। समीर मोदी ने खुद के साथ हुई घटना का जिक्र करते हुए बताया, मैं मदद के लिए चिल्लाया और काफी हंगामे

के बाद बोर्ड मीटिंग का दरवाजा खोला गया और मुझे अंदर जाने दिया गया। मैंने अपनी मां बीना मोदी को बताया कि क्या हुआ और कैसे मुझ पर हमला किया गया और मुझे गंभीर रूप से घायल किया गया, पर उन्होंने कोई सहानुभूति नहीं दिखाई।

समीर मोदी ने कहा, मेरे साथ सहानुभूति रखने के बजाय, उन्होंने मेरी नाजुक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया और मुझ पर चिल्लाते हुए कहा कि मैं बैठ जाऊं और बोर्ड की बैठक में शामिल होऊं। उन्होंने पीएसओ से कहा कि अब बहुत हो चुका, उनका यह कहना इस बात की पुष्टि करता है कि वह उन लोगों में से एक हैं जिन्होंने पीएसओ को मुझ पर हमला करने और घायल करने के निर्देश दिए थे।

मोदी ने अपनी शिकायत में लिखा है कि हमले में उनके दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली दो हिस्सों में टूट गई और इसके लिए एक स्क्रू और तार लगाने की जरूरत पड़ी, डॉक्टरों ने कहा है कि उनकी उंगली फिर कभी पूरी तरह काम नहीं कर पाएगी। उन्होंने राजधानी में अपने न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित घर पर एक समाचारपत्र से बातचीत में कहा, शेयरों पर विवाद का मामला अदालत में लंबित है, ऐसे में मैं अभी अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचूंगा। मुझे बोर्ड से हटाने की कोशिश हो रही है, जो मैं नहीं होने दूंगा। दूसरी ओर, गॉडफ्रे फिलिप्स के प्रवक्ता ने समीर मोदी के आरोपों को खारिज किया है। उनकी ओर से कहा गया, ये आरोप पूरी तरह से झूठे और नृशंस हैं। उन्होंने कहा, कथित घटना बोर्ड कक्ष के बाहर हुई जब दोपहर करीब 12 बजे ऑडिट समिति की बैठक चल रही थी। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है, जो संबंधित जांच अधिकारियों को मुहैया कराई जा सकती है। मोदी परिवार के सदस्यों के बीच विवाद 2019 में कृष्ण कुमार मोदी की मृत्यु के बाद 11,000 करोड़ रुपये की विरासत के वितरण को लेकर है। समीर मोदी ने सुप्रीम कोर्ट में लंबित एक मामले में अपनी मां की ओर से की गई पैरवी के तरीके को चुनौती दी थी। बता दें कि समीर मोदी देश में आईपीएल की शुरुआत करने वाले और लंदन में रह रहे पूर्व आईपीएल कमिश्नर ललित मोदी के भाई है। उन्हें आर्थिक गड़बड़ियों के कारण देश में फरार घोषित गया है।

ओएनजीसी ने मानसून के दौरान हेलिकॉप्टर उड़ानें घटाईं

नई दिल्ली । देश की प्रमुख तेल एवं गैस उत्पादक कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने मानसून के दौरान किसी भी घातक दुर्घटना से बचाव के लिए पूर्वी और पश्चिमी दोनों तटों पर समुद्र के बीच में अपने प्रतिष्ठानों के लिए हेलिकॉप्टर की उड़ानें तीन महीने के लिए कम कर दी हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। ओएनजीसी ने समुद्र तल से तेल और गैस का उत्पादन करने में मदद करने वाले अपतटीय प्लेटफॉर्म पर अपने कर्मचारियों के काम से संबंधित रहने की अवधि 14 दिन से बढ़ाकर 21 दिन कर दी है। हालांकि यह अब भी 28 दिन के अंतरराष्ट्रीय मानक से कम है। मामले की जानकारी रखने वालों बताया कि यह अस्थायी उपाय केवल जून से अगस्त तक तीन माह के लिए है और इसे प्रतिष्ठानों तक लोगों और सामग्री को पहुंचाने के लिए हेलिकॉप्टर उड़ानों की संख्या में कमी करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। ओएनजीसी से ई-मेल के जरिये यह जानने का प्रयास किया गया कि वह 21 दिन के चक्र का पालन क्यों कर रही है जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 28 दिन के चक्र का अनुपालन किया जाता है। कंपनी की ओर से इसका जवाब नहीं मिला है।

मुसेटी को कड़े मुकाबले में हराकर जोकोविच अगले दौर में पहुंचे, फेडरर के इस रिकॉर्ड की बराबरी की

पेरिस ।

महिला और पुरुष मिलाकर सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने वाले सर्बिया के विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। जोकोविच को हालांकि इटली के लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ जीत दर्ज करने में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन 24 बार के इस ग्रैंडस्लैम विजेता खिलाड़ी ने अपना दबदबा बनाते हुए पांच सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज कर यहां खिताब का बचाव करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा।

साढ़े चार घंटे तक चला मैच – जोकोविच और मुसेटी के बीच पुरुष सिंगल्स वर्ग के तीसरे दौर का चार घंटे और 30 मिनट तक चला जिसमें आखिरकार जोकोविच ने बाजी मारी। जोकोविच ने मुसेटी को 7-5, 6-7 (6), 2-6, 6-3, 6-0 से हराया। मुसेटी ने जब लगातार दो सेट जीते तो लग रहा था कि जोकोविच के लिए वापसी करना आसान नहीं होगा लेकिन सर्बिया के इस खिलाड़ी ने इसके बाद शानदार खेल दिखाया तथा खुद को रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम और फ्रेंच ओपन में अपने चौथे खिताब की दौड़ में बनाए रखा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, मैं वास्तव में बड़ी मुश्किल में था और मुझे कोर्ट पर असहज बनाने का श्रेय लोरेंजो को जाता है। उसने वास्तव में शानदार खेल का प्रदर्शन किया। एक समय वास्तव में मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या करना है।

जोकोविच की ग्रैंडस्लैम में 369वीं जीत – जोकोविच की ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में यह 369वीं जीत है और इस तरह से उन्होंने स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। जोकोविच यह रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं, जब उनका सामना अर्जेंटीना के 23वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा। अगर जोकोविच इस मैच को जीतने में सफल रहे तो वह ग्रैंडस्लैम में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

बालाजी-मार्टिनेज की जोड़ी प्री क्वार्टर फाइनल में – भारत के एन श्रीराम बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल एंजेल रेयेस-वेरेला मार्टिनेज ने डैन एडेड और थियो एरिबेज की जोड़ी को तीन सेटों में हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन के पुरुष डबल्स वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। बालाजी और मार्टिनेज की जोड़ी ने एक घंटे 42 मिनट तक चले दूसरे दौर के मैच में फ्रांस की जाड़ी को 6-4, 3-6, 6-2 से हराया। पेरिस ओलंपिक में बालाजी के रोहन बोपन्ना का जोड़ीदार बनने की ज्यादा संभावना है।

न्यूज ब्रीफ

सितसिपास फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में, स्वियातेक अल्कारेज भी आगे बढ़े

पेरिस । स्टेफानोस सितसिपास ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके कार्लोस अल्कारेज और इगा स्वियातेक के साथ फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश किया। सितसिपास ने झांग झिझेन को 6-3, 6-3, 6-1 से पराजित किया। उनका अगला मुकाबला इटली के गैर वरीयता प्राप्त माटेओ अर्नाल्डी से होगा जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव को 7-6 (6), 6-2, 6-4 से हराया था। इटली के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सिनर ने पावेल कोटोव को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सिनर का अगला मुकाबला फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट से होगा। दो बार के ग्रैंडस्लैम विजेता कार्लोस अल्कारेज ने भी 27वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी सेबेस्टियन कोर्डा को 6-4, 7-6 (5), 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। अल्कारेज पिछले साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच से हार गए थे।महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने मैरी बौज़कोवा को 6-4, 6-2 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। उनका अगला मुकाबला गैर वरीयता प्राप्त अनास्तासिया पोटापोवा से होगा। अमेरिका की सोफिया केनिन को हार का सामना करना पड़ा। केनिन को डेनमार्क की गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी क्लारा टूसन ने 6-2, 7-5 से हराया। टूसन का अगला मुकाबला विंबलडन में दो बार उपविजेता रही ओंस जेबुर से होगा। ट्यूनीशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त ओंस ने 31वीं वरीयता प्राप्त कनाडाई खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज को 6-4, 7-6 (5) से हराया। विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लो पैक्वेट को 6-1, 6-3 से पराजित किया।

डीपी मनु ने ताइवान ओपन में भाला फेंक का स्वर्ण पदक जीता, 81.52 मीटर का रहा सर्वश्रेष्ठ प्रयास

ताइपे । भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु ने ताइपे में 81.58 मीटर थ्रो के साथ ताइवान ओपन 2024 में पुरुषों की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ने अपने पांचवें प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज किया और पहले स्थान पर रहे। ताइवान ओपन विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर कांस्य स्तर की प्रतियोगिता है। इसमें खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक भी मिलते हैं। मनु के पांच प्रयास मनु ने 78.32 मीटर थ्रो के साथ शुरुआत की, जबकि उनका दूसरा प्रयास 76.80 मीटर का रहा। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने तीसरे प्रयास में 80.59 मीटर और पांचवें प्रयास में 81.52 मीटर दूर फेंका। हालांकि, उनका चौथा प्रयास फाउल रहा था। व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी दूर हालांकि, यह प्रदर्शन मनु के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.35 मीटर से बहुत दूर था। यह मौजूदा सत्र में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रयास 82.06 से भी कम है, जो पिछले महीने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में आया था। वह फेडरेशन कप में ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। अब तक क्वालिफाई नहीं कर सके मनु पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहने वाले मनु को अभी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करना बाकी है, जिसके लिए क्वालिफिकेशन मार्क 85.50 मीटर है।

हमारी सभी योजनाओं कों ध्वस्त कर देते थे सचिन : पोंटिंग

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज के तौर पर सचिन तेंदुलकर सबसे बेहतर थे और हमारी सभी योजनाएं उनके सामने विफल हो जीती थीं। पोंटिंग ने सचिन को तकनीकी रुप से सबसे सबसे अच्छा बल्लेबाज करार दिया। टी20 विश्व कप को लेकर जब पोंटिंग से जब भारतीय टीम के बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर बात की गई तो कहा कि महान बल्लेबाज सचिन सर्वश्रेष्ठ थे। पोंटिंग ने खेल एंकर संजना गणेशन से कहा, सचिन की तकनीक उतनी शानदार थी जैसा मैंने अपने पूरे करियर में किसी और की नहीं देखी थी। हमने चाहे भारत में हो या फिर ऑस्ट्रेलिया में जो भी योजना उनके लिए बनाई वो सभी को धवस्त कर देते थे। वहीं जब उनसे पूछा गया कि दौर में कौन सा बल्लेबाज उनके जैसा है इस पर पोंटिंग ने कहा, देखिए सचिन ने जब क्रिकेट खेला तब के हालात आज के मुकाबले से अधिक कठिन थे। अब वनडे क्रिकेट के नियम काफी बदल गये हैं।

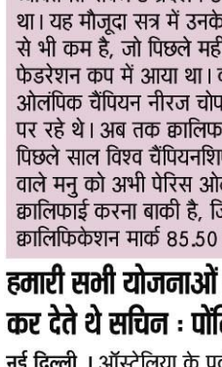

डॉर्टमुंड को एकतरफा अंदाज में हराकर रियल मैड्रिड बना चैंपियन, 15वीं बार जीता खिताब

नई दिल्ली ।

डानी कारवाजल और विनिसियस जूनियर के एक-एक गोल की मदद से रियल मैड्रिड ने फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को हराकर यूएफा चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। रियल मैड्रिड ने डॉटमुंड को 2-0 से हराया और 15वीं बार इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस तरह रियल मैड्रिड ने अपने पिछले नौ यूरोपियन कप फाइनल्स जीते हैं और पिछले 11 सीजन में से छह बार टूर्नामेंट जीता है।

रियल मैड्रिड के लिए डानी ने टोनी क्रूस के कॉर्नर पर 74वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद विनिसियस जूनियर ने 83वें गोल कर रियल मैड्रिड की बढ़त को दोगुना किया। अंतिम सीटी बजने तक डॉर्टमुंड की टीम एक भी गोल नहीं कर सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा। निकलास फुएलक्रुग के पोस्ट पर करीम अदेयेमी गोल करने में नाकाम रहे। डॉर्टमुंड ने कई मौके गंवाए जिसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा।

पहले हाफ में रियल मैड्रिड को करना पड़ा संघर्ष

मैड्रिड को पहले हाफ में संघर्ष करना पड़ा लेकिन इसके बाद उसने मैच में दबदबा बनाए रखा। उसकी तरफ से डैनी कार्वाजल और विनीसियस जूनियर ने गोल दागे। डॉर्टमुंड ने पहले हाफ में अच्छा खेल दिखाया। उसने कुछ मौके भी बनाए लेकिन इसका फायदा उठाने में नाकाम रहा। कार्वाजल, लुका मोड्रिक, टोनी क्रूस और नाचो ने छठी बार ट्रॉफी जीती और इस तरह से उन्होंने मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी रहे पाको गेंटो की बराबरी की।

मैड्रिड का कोच रहते एंसेलोटी ने तीसरी बार जीता खिताब

रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी का कोच के रूप में चैंपियंस लीग में यह पांचवा खिताब है। इस तरह से उन्होंने अपने रिकॉर्ड में सुधार किया। जिनेदिन जिदान, पेप गार्डियोला और बॉब पैस्ले ने कोच के रूप में तीन-तीन बार चैंपियंस लीग जीती है। रियल मैड्रिड का कोच रहते हुए एंसेलोटी ने तीसरी बार चैंपियंस लीग जीती। वेंबले स्टेडियम में खेले गए फाइनल में अपनी टीम की जीत के बाद एंसेलोटी ने कहा, हमें इसकी आदत पड़ती जा रही है। हमारा स्वप्निल सफर जारी है। यह बेहद मुश्किल मैच था। हमने जितना सोचा था यह उससे अधिक कड़ा मैच था। पहले हाफ में हम थोड़ा सुस्त थे लेकिन इसके बाद हमने अच्छा खेल दिखाया।

टी20 विश्वकप : अर्शदीप ने अभ्यास मैच में लिटन को किया बोल्ड

न्यूयॉर्क । भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने यहां एकमात्र अभ्यास मैच में बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन दास को क्लीन बोल्ड कर दिया। लिटन 8 गेंदों में केवल 6 रन ही बना सके। लिटन ने अपनी इस पारी में एक चौका जसप्रीत बुमराह की गेंद पर लगाया। वह अर्शदीप की बैक-ऑफ-द-लेंथ गेंद को खेलने में पूरी तरह से विफल रहे। अर्शदीप ने इस मैच में दो विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई अर्शदीप ने पिछले टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम की ओर से खेला था। गत माह आईपीएल 2024 के दौरान भी उनकी गेंदबाजी की तारीफ हुई थी। अर्शदीप ने 2023 सीजन में 18, 2022 सीजन में 10 तो 2021 सीजन में 19 विकेट लिए थे। बांग्लादेश के खिलाफ पहले खेलते हुए भारतीय टीम की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन 1 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद रोहित ने ऋषभ के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। ऋषभ 33 गेंदों पर 53 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने 23 गेंदों पर 40 रन बनाकर टीम को 182 तक पहुंचाया। जवाब में खेलने उतरी बांग्लादेश की टीम 122 रन ही बना पाई। भारतीय टीम की ओर से अर्शदीप के अलावा शिवम दुबे ने भी दो विकेट लिए। वहीं बुमराह, सिराज, हार्दिक और अक्षर पटेल ने 1-1 विकेट लिया।

इंपेक्ट प्लेयर नियम बनाये रखें पर बाउंड्री को बढ़ा दें : गांगुली

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि इंपेक्ट प्लेयर का नियम आईपीएल में जारी रहे पर टॉस के समय ही ये तय हो कि कौन सा खिलाड़ी इंपेक्ट प्लेयर के तौर पर उतरेगा। गांगुली दिल्ली कैपिटल्स टीम के क्रिकेट निदेशक भी हैं। गांगुली का ये बयान इसलिए आया है क्योंकि हाल में समाप्त हुए आईपीएल सत्र में 'इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम को लेकर सवाल उठे थे और कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना है इससे खेल में बल्लेबाज हावी होते हैं। इसी कारण बड़े स्कोर बने हैं। वहीं गांगुली ने कहा कि इंपेक्ट प्लेयर का नियम बना रहे पर अगले सत्र से बाउंड्री और बढ़ा देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुझे इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम पसंद है क्योंकि इससे खेल में रोमांच आता है। जहां तक संतुलन की बात है तो इसके लिए मैदान थोड़े बड़े कर देने चाहिए। सीमारेखा को थोड़ा बढ़ा देना चाहिए। इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम के साथ बदलाव के तहत खिलाड़ी पर फैसला टॉस से पहले हो जाना चाहिये। टॉस से पहले खुलासा करने के लिए आपको कौशल और रणनीति की जरूरत होगी पर मैं इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम को बनाये रखा जाना चाहिये। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव का इस आईपीएल सत्र में प्रदर्शन इतना शानदार नहीं रहा पर गांगुली का कहना है कि वह अब भी युवा है और छोटे प्रारूप को सीख रहा है। उन्होंने कहा कि वह अभी 23 साल का ही है। वह अब भी सीख रहा है कि टी20 क्रिकेट कैसे खेला जाए। वह शानदार प्रतिभा का धनी है और आने वाले समय में बेहतर ही होगा। साथ ही कहा कि हम पहले ही काफी कुछ उम्मीद लगाने लगते हैं और पृथ्वी के कौशल को देखते हुए मुझे पूरा भरोसा है कि वह आने वाले समय में अच्छा करेगा।

एक बार फिर मैदान पर चौके और छक्के लगाते दिखेंगे युवराज

नई दिल्ली ।

पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह एक बार फिर मैदान पर चौके और छक्के लगाते दिखेंगे। युवराज अगले माह जुलाई में इंग्लैंड में आयोजित होने वाले पूर्व क्रिकेटरों के टूर्नामेंट 'वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में 'इंडिया चैंपियंस की कप्तानी करेंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड से मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा इंग्लैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की पूर्व खिलाड़ियों की टीमें हिस्सा लेगी।

इंडिया चैंपियंस टीम में युवराज के अलावा हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और यूसुफ पठान जैसे दिग्गज क्रिकेटर शामिल हैं। भारतीय टीम अपने मुकाबले एजबेस्टन, बर्मिंघम और नॉर्थम्पटनशर में खेलेगी। टीम की जर्सी के अनावरण के अवसर पर टीम के मालिकों के साथ पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह और पूर्व लेग स्पिनर राहुल शर्मा भी मौजूद थे।

रैना ने इस मौके पर कहा कि वह 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि युवराज और हरभजन के साथ हमने पाकिस्तान के साथ कई मैच खेले हैं। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं तो अच्छा

करने की कोशिश होती है। हम इंग्लैंड में पाकिस्तान का सामना करने का ब्रेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने पेशेवर खेल से संन्यास जरूर लिया है पर दिल से कभी क्रिकेट नहीं हटेगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए 'इंडिया चैम्पियंस की टीम इस प्रकार है

युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, यूसुफ पठान, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी।

प्रज्ञानंद ने दूसरे नंबर के खिलाड़ी कारुआना को हराया क्लासिकल शतरंज में हासिल की ये विशेष उपलब्धि

नई दिल्ली ।

भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फाबियानो कारुआना को क्लासिकल शतरंज के पांचवें दौर में हराया। इस जीत के साथ प्रज्ञानंद ने क्लासिक शतरंज में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन और दूसरे नंबर के खिलाड़ी कारुआना को पहली बार हराया है।

विश्व रैंकिंग में शीर्ष-10 पर पहुंचे प्रज्ञानंद

प्रज्ञानंद अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की विश्व रैंकिंग में शीर्ष-10 में शामिल हो गए हैं। 18 वर्ष के भारतीय ग्रैंडमास्टर ने इससे पहले तीसरे दौर में कार्लसन को हराया था। फिड शतरंज विश्व कप के गत उपविजेता प्रज्ञानंद ने शानदार चाल चलते हुए कार्लसन को मात दी थी। इससे पहले भी अपने करियर में कुछ मौकों पर प्रज्ञानंद ने कार्लसन को रेपिड और ब्लिट्ज गेम को मात दी थी।

नाकामुरा ने बढ़त मजबूत की

अमेरिका के हिकारू नाकामुरा ने खराब फॉर्म में चल रहे चीन के विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन पर अपनी बढ़त को एक अंक तक बढ़ा दी। नाकामुरा के 10 अंक हैं। कार्लसन ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया। अब जबकि टूर्नामेंट में पांच दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं तब प्रज्ञानंद 8.5 अंक लेकर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन के बाद तीसरे नंबर पर हैं। अलीरेजा के 6.5 अंक हैं और वह चौथे स्थान पर हैं। कारुआना पांच अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जबकि डिंग लिरेन की खराब फॉर्म जारी है। उनके केवल 2.5 अंक हैं। प्रज्ञानंद और कारुआना के बीच शुरू में मोहरों की अदला बदली देखी गई। प्रज्ञानंद ने अमेरिकी खिलाड़ी को उलझाए रखा। कारुआना ने 66वीं चाल में गलती की जिसका प्रज्ञानंद ने पूरा फायदा उठाया और इसके 11 चाल बाद जीत दर्ज की।

वैशाली का शानदार प्रदर्शन जारी

महिला वर्ग में प्रज्ञानंद की बहन और ग्रैंडमास्टर भारत की आर वैशाली ने अपना स्वप्निल प्रदर्शन जारी रखा और आर्मगेडन गेम में चीन की टिंगकी लेई को हराकर अपने अंको की संख्या 10 पर पहुंचा दी है। वैशाली के बाद अन्ना मुजीचुक का नंबर आता है जिनके नौ अंक हैं। उन्होंने पांचवें दौर में स्वीडन की पिया क्रैमलिंग को हराया। महिला विश्व चैंपियन वेनजुन जू ने आर्मगेडन में भारत की कोनेरू हंपी को पराजित किया। वह 7.5 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। लेई छह अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं।

मुक्केबाजी में भारत हासिल कर सकता है एक और ओलंपिक कोटा, जैस्मीन का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

मुक्केबाजी में भारत को एक और ओलंपिक कोटा मिल सकता है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लम्बोरिया विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर के 57 किग्रा क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड की एना मारिजा मिलिसिक पर शानदार जीत दर्ज करके पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने के करीब पहुंच गई हैं। भारत की इस 22 साल की खिलाड़ी ने अंतिम 16 मुकाबले में जजों के सर्वसम्मत निर्णय (5-0) से मिलिसिक को शिकस्त दी। निशांत देव (71 किग्रा) के अलावा महिला वर्ग में निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) पहले ही पेरिस के लिए अपना स्थान पक्का कर चुके हैं। क्वार्टर फाइनल में जीत दिलाएगा ओलंपिक कोटा क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में

महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में चार कोटा स्थान है। जैस्मीन को पेरिस खेलों में अपनी जगह पक्की करने और भारत के लिए 57 किग्रा कोटा पुन: प्राप्त करने के लिए अपना क्वार्टर फाइनल जीतना होगा। परवीन हुड्डा ने 2023 एशियाई खेलों में 57 किग्रा कोटा हासिल किया था, लेकिन पिछले महीने डोपिंग के आरोप में उन्हें निलंबित कर दिया गया था, जिससे भारत को कोटा छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। जैस्मीन ने तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया जैस्मीन ने एशियाई खेलों और ओलंपिक के पहले क्वालीफायर में 60 किग्रा में चुनौती पेश की थी लेकिन टूर्नामेंट में रिजर्व के रूप में सूचीबद्ध होने के कारण उन्हें 57 किग्रा में भाग लेने की अनुमति मिल गई। जैस्मीन और मिलिसिक ने शुरुआत में एक-दूसरे को आंकने पर ध्यान दिया। जैस्मीन ने इसके बाद अपनी तकनीकी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया और मिलिसिक लगातार मुक्के बरसाये। स्विट्जरलैंड की खिलाड़ी ने वापसी की कोशिश की लेकिन जैस्मीन उनसे दूरी बनाए रखने में सफल रहीं। जैस्मीन ने अपनी कद का इस्तेताल करते हुए मिलिसिक पर दबाव बनाए रखा। सचिन का सफर सेमीफाइनल में समाप्त पुरुषों के 57 किग्रा में पूर्व युवा विश्व चैंपियन सचिन सिवाच ने 57 किग्रा सेमीफाइनल में अच्छी कोशिश की, लेकिन टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता फिलीपींस के कार्लो पालम से 0-5 से हार गए।

मुक्केबाज अमित पंघाल ने हासिल किया ओलंपिक कोटा, क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट के अंतिर-4 में पहुंचे

नई दिल्ली । भारत के दिग्गज मुक्केबाज अमित पंघाल ने पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया है। उन्होंने दूसरे विश्व क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में विपक्षी मुक्केबाज को 5-0 से हराया। इस जीत के साथ ही वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर गए। उन्होंने 51 किलोग्राम भारवर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल किया है। विश्व चैंपियनशिप में भारत के एकमात्र पुरुष रजत पदक विजेता पंघाल ने क्वार्टर फाइनल में लियू को 5-0 से हराकर दूसरी बार ओलंपिक खेलों की मेजबानी का टिकट हासिल किया। वह इस तरह निशांत देव (71 किग्रा), निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) की चौकड़ी में शामिल हो गए। इन सभी ने पहले ही ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है।पंघाल के पास पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने के लिए केवल एक मौका था, क्योंकि वह पहले की दो क्वालिफाइंग प्रतियोगिताओं में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया से हार गए थे, लेकिन इस बार 2018 एशियाई खेलों के चैंपियन ने अपने मौके का पूरा फायदा उठाया। अब जैस्मीन लैंबोरिया (57 किग्रा) और सचिन सिवाच (57 किग्रा) भी ओलंपिक कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे।

अब रोबोट होंगे 'बायो-बोट'

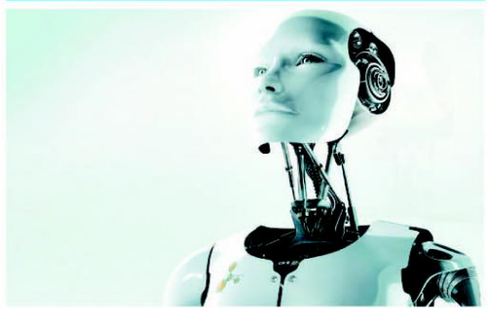

अब वह समय दूर नहीं जब रोबोट्स मानव त्वचा में आना शुरू हो जाएंगे। बायोलॉजिकल रोबोट्स की इस नई पीढ़ी के लिए इंजीनियरों ने कुछ खास सोचा है। वह अब इन्हें मांसपेशियां देने के लिए तैयार हैं। सुनने में थोड़ा अटपटा तो लगता है, लेकिन 'यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस' के शोधकर्ताओं ने ऐसे रोबोट्स वर्ग का प्रदर्शन किया है जो 'बायो-बोट्स' मांसपेशी कोशिकाओं द्वारा संचालित और बिजली के झटकों के द्वारा नियंत्रित किए जा सकेंगे। इन रोबोट्स को 'बायो-बोट्स' के नाम से जाना जाता है। शोधकर्ताओं का समूह जीव विज्ञान के साथ इंजीनियरिंग के सिद्धांतों को एकीकृत करके एक ऐसी जैविक मशीन बनाने में लगे हुए हैं, जो पर्यावरण और चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए उपयोगी हो सकते हैं। इन बोट्स की खासियत है यह कि वे 'स्केलेटल' मांसपेशी कोशिकाओं के बने हैं। इन मांसपेशियों की कोशिकाओं को 'इलेक्ट्रिक पल्स' द्वारा शुरू किया जा सकता है। इन 'बोट्स' की गति को 'इलेक्ट्रिक पल्स' की फ्रीक्वेंसी को समायोजित करके नियंत्रित किया जा सकता है। ज्यादा फ्रीक्वेंसी पर मांसपेशियां ज्यादा जल्दी सिकुड़ती हैं जिससे 'बायो-बॉट' की रफ्तार भी तेज हो जाती है। इससे पहले, शोधकर्ताओं ने चूहों के दिल की कोशिकाओं का उपयोग करके 'बायो-बोट्स' निर्माण करने की कोशिश की थी। लेकिन चूहों के दिल की कोशिकाओं के लगातार सिकुड़ने के कारण शोधकर्ताओं को उसकी गति पर नियंत्रण प्राप्त करने में असफलता प्राप्त हुई। 'स्केलेटल' मांसपेशी कोशिकाओं से शोधकर्ताओं को इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। फिलहाल इन रोबोट्स का आकार छोटा होगा और इनका काम शरीर में मौजूद जहरीले पदार्थों के असर को बिल्कुल खत्म करने का होगा। ऐसे 'बोट्स' के निर्माण से यह बात तो स्पष्ट है कि दुनिया भर में वैज्ञानिक ऐसे रोबोट्स बनाने में लगे हुए हैं जो हमारी तरह दिख सकें, हमारे जैसे चल सकें, हमारी तरह बात कर सकें और जो हमारे ही जैसे कार्य कर सकें।

अब ड्रोन से खींचे सेल्फी...

अब तक आपने लोगों को सेल्फी स्टिक से सेल्फी खींचते हुए देखा होगा लेकिन अब सेल्फी स्टिक जल्द ही बीते जमाने की बात हो जाएगी। अब सेल्फी खींचने के लिए ड्रोन का प्रयोग होने लगेगा। आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने सेल्फी ड्रोन बनाया है। यह सेल्फी ड्रोन बेहतरीन तस्वीरें खींच सकता है और इससे फोटो लेने के लिए आपको अपने हाथ को भी आगे खींचना नहीं पड़ेगा। इस सेल्फी ड्रोन को ऑस्ट्रेलिया की कंपनी आईओटी ग्रुप ने बनाया है। इसका नाम रोम ड्रोन रखा गया है और यह बाजार में आने से पहले बिक्री के लिए उपलब्ध है। इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जून से बेचा जाएगा। कंपनी की सोच एक स्टेरायड से लैस सेल्फी स्टिक बनाने की थी। सेल्फी स्टिक की समस्या यह है कि जितनी लंबी उसकी डंडी होगी, उतनी ही अच्छी तस्वीरें आएंगी। तो विचार यह है कि ऐसी चीज बनाई जाए जो आपके आसपास उड़ कर आपकी तस्वीर खींचे। इसलिए यह ड्रोन बनाया गया है, जो इतना छोटा है कि बैग या जेब में रखा जा सकता है। इसका आकार 600 मिली पानी के बोतल जितना है। सभी को मालूम है कि ड्रोन उड़ते हुए तस्वीरें खींचते हैं। लेकिन यह उनसे अलग इसलिए है कि यह पोर्टेबल है और इसे दूसरी श्रेणी में रखा जा सकता है।

हैरान करने वाली डिवाइसेस...

गैजेट की दुनिया में आपको कई ऐसी डिवाइसेस मिलेंगी जिनका प्रयोग देखकर आप हैरान रह जाएंगे। मूज ब्रेन सेंसर भी ऐसा ही अनोखा गैजेट है जो मस्तिष्क के संकेतों को दर्ज करने और ध्यान के समय आपको शांति मिलती है या नहीं, इसका पता लगाता है। मूज ब्रेन सेंसर में अनेक सेंर्स से होते हैं जोकि हैड बैंड से जुड़े होते हैं। यह पुरानी चिंता एवं अवसाद से पीड़ित व्यक्तियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। इसी तरह कार्बन टाइटेनियम एस-1 प्लस ऑटोमैटिक बार टेंडिग मशीन है जिसे आप अपने स्मार्टफोन पर ऐप की मदद से नियंत्रित कर सकते हैं। अगर आप आलस महसूस कर रहे हैं तो आप इस मशीन को केवल एक बटन दबाकर आदेश दे सकते हैं कि वह कॉकटेल तैयार कर दे लेकिन इससे पहले आपको तय करना होगा कि उस जगह पर सारी सामग्री सही हो।

पर्स का वास्तु...

घर का वास्तु, आफिस का वास्तु, आपकी कार का वास्तु, हर चीज में जब आप वास्तु का ध्यान रखते आए हैं तो पर्स में वास्तु का ध्यान क्यों नहीं रखा जा सकता? जिस तरह हमारे आसपास का वातावरण हमें प्रभावित करता है। उसी प्रकार हमारा बैग या पर्स भी हमें प्रभावित करता है। सभी चाहते हैं कि उनका पर्स हमेशा पैसों से भरा रहे और फिजूल खर्च न हो। आय बढ़ाने और फिजूल खर्चों में कमी करने के लिए पर्स का वास्तु भी ठीक करने की आवश्यकता है। कुछ लोग पर्स में ही चाबियां भी रखते हैं,

चाबियां रखना अशुभ माना जाता है। किसी भी प्रकार की अपवित्र वस्तु न रखें। फिजूल वस्तुओं को तुरंत निकाल दें। पर्स में सिक्के और नोट दोनों ही अलग-अलग स्थानों पर रखने चाहिएं। पर्स में मृत व्यक्तियों के चित्र रखना भी शुभ नहीं माना जाता। पर्स में संत-महात्मा के चित्र रखे जा सकते हैं। यदि कोई संत या महात्मा देह त्याग चुके हैं तब भी उनके चित्र या फोटो पर्स में रखे जा सकते हैं क्योंकि शास्त्रों के अनुसार देह त्यागने के बाद भी संत-महात्माओं को मृत नहीं माना जाता। पर्स में धार्मिक और पवित्र वस्तुएं रखें। इनसे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और जिन्हें देखकर मन प्रसन्न होता है। इन्हें भी रुपए-पैसों से अलग ही रखना शुभ है। पर्स में नोट या सिक्कों के साथ खाने की चीजें नहीं रखनी चाहिएं। पर्स में किसी भी प्रकार के बिल या भुगतान से संबंधित कागज नहीं रखने चाहिए। अपने पर्स में एक लाल रंग का लिफाफा रखें। इसमें आप अपनी कोई भी मनोकामना एक कागज में लिख कर रखें। वह शीघ्र पूरी होगी। रात्रि में सोते समय पर्स कभी भी सिराहने न रख कर उसे हमेशा अलमारी में रखें। अपने पर्स में किसी पूर्णिमा को लाल रेशमी कपड़े में चुटकी भर या 21 दाने अखंडित चावल बांध कर छुपा कर रखने से बेवजह खर्च नहीं होता है।

पहले वेबसाइट्स आईं, फिर ऐप्स और अब बाट्स का जमाना आने वाला है। तकनीक की दुनिया में इसे सॉफ्टवेयर के लेवल पर बड़े बदलाव की तरह देखा जा रहा है। यह इंसान और मशीन के बीच रिश्ते की शुरुआत है। बॉट्स को वेब रोबॉट भी कहा जाता है। असल में बॉट्स एक खास प्रोग्राम है जो मैसेज का जवाब देता है। यह खास सर्विस के लिए डिजाइन किया जाता है जैसे शॉपिंग के लिए शॉपिंग बॉट्स, सलाह देने के लिए एडवाइजरी बॉट्स आदि।

अब बॉट्स का जमाना...

21वीं सदी में चूंकि हर दिन एक नई तकनीक आपके सामने आ रही है इसलिए आपके लिए यह जरूरी हो गया है कि पुरानी तकनीक को छोड़ कर आगे बढ़ें और अपडेटेड रहें। पहले लोगों के लिए वेबसाइट आई, फिर आए मोबाइल ऐप्स लेकिन अब इसके भी आगे की चीज आ गई है जो जल्द ऐप्स की जगह ले सकती है और वो है बॉट्स। जी हां, इसको मनुष्य और मशीन के बीच की एक नई अहम कड़ी माना जा रहा है। साथ ही, यह इंसानों से बात करने और उनकी इच्छा को भापने का एक नया माध्यम बन गया है। अभी आपको कंप्यूटर पर काम करने के लिए कंप्यूटर जैसा बनना पड़ता है लेकिन भविष्य में बॉट्स इंसानों की तरह काम करने को तैयार हैं।

क्या हैं बॉट्स ?

बॉट्स तकनीकी दुनिया की एक नई खोज है जो आपको कंप्यूटर पर अपने तरीके से काम करने की सहूलियत देती है। इन बॉट्स को इंटरनेट के रोबॉट के नाम से जाना जाता है। असल में बॉट्स एक ऐसा नया और खास प्रोग्राम है जिसे मेसेज का जवाब देने के लिए बनाया गया है। ये हर सर्विसेज के लिए अलग बने होते हैं जैसे कि हेल्थ सलाह देने के लिए हेल्थ बॉट्स, वेदर अपडेट के लिए वेदर बॉट्स, शॉपिंग के लिए शॉपिंग बॉट्स, सलाह देने के लिए एडवाइजरी बॉट्स आदि। ये बॉट्स सॉफ्टवेयर और एप्स जैसे ही बनते हैं। इन बॉट्स को अपने या कस्टमर के हिसाब से बनाया जा सकता है। इसके लिए सॉफ्टवेयर डेवलपर को अच्छी तकनीकी जानकारी होनी चाहिए। लेकिन कुछ कंपनियां ऐसी हैं जिन्होंने ऐसे प्लेटफॉर्म बना दिए हैं जिससे कोई भी बिना मशक्कत के कोडिंग करके इसे बना सकता है। फिलहाल ऐसी कई कंपनियां हैं जो यह प्लेटफॉर्म लोगों को उपलब्ध करा रही हैं जैसे फेसबुक, स्लैक, किक, गपशप आदि। इस सॉफ्टवेयर का कोडिंग का एक सेट लेआउट होता है जिसे प्रोग्रामर जरूरत के हिसाब से कस्टमाइज्ड कर सकता है।

क्या जरूरत है बॉट्स की?

फिलहाल लोग मूल रूप से वेबसाइट और ऐप्स के जरिए ही अपनी जरूरतों तक पहुंचते हैं। जहां लोग मैसेजिंग ऐप्स से हर वक्त एक्टिव रहते हैं वहीं कोई चीज ढूंढने या कोई जानकारी लेने के लिए लोगों को दूसरी साइट या ऐप प्ले स्टोर पर जाना पड़ता है। ऐसे में हर कंपनी का मकसद अपने कस्टमर को अच्छी सहूलियत पहुंचाना बन जाता है। कस्टमर की इसी परेशानी का हल बने हैं ये बॉट्स। मिसाल के तौर पर अगर आपको कहीं जाना है और आपको कैब बुक करानी है तो आपको पहले उसकी वेबसाइट पर जाना पड़ेगा और तब बुकिंग करानी पड़ेगी। लेकिन बॉट्स के जरिए आपकी परेशानी का हल निकल जाता है। इससे न तो आपको बार-बार वेबसाइट पर जाना पड़ता है और न ही ऐप को बार-बार क्लिक करना पड़ता है। आप अपनी मैसेजिंग ऐप से ही कैब या कोई भी अन्य काम कर सकते हैं। इस सुविधा के लिए आपको कोई भुगतान नहीं करना पड़ेगा बल्कि बॉट्स बनाने या चलाने का पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर कंपनी ही करेगी।

कहां हो रहा इतेमाल

बॉट्स भले ही हमारे के लिए नए हों परंतु ये बॉट्स कॉरपोरेट लेवल पर कबके इस्तेमाल होना शुरू हो चुके हैं। कंपनी के एचआर डिपार्टमेंट से लेकर कई और डिपार्टमेंट तक इन बॉट्स का इस्तेमाल हो रहा है। इस बॉट्स का इस्तेमाल कंपनियां एंप्लॉयीज को फीडबैक लेने और देने के लिए कर रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और फेसबुक जैसी कंपनियां इसका भरपूर इस्तेमाल कर रही हैं। दुनियाभर में कई ऐसी कंपनियां हैं जो इन बॉट्स को इस्तेमाल करने का मन बना रही हैं।

कैसे बनाए जाते हैं बॉट्स

यह कुछ उसी तरह बनते हैं जैसे वेबसाइट्स और ऐप बनते हैं। कोई भी सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर इसको अपनी या कस्टमर की जरुरत के हिसाब से डिजाइन कर सकता है, लेकिन इन्हें बनाने के लिए काफी तकनीकी ज्ञान की जरुरत होती है। कुछ कंपनियो ने इनके प्लेटफॉर्म बना कर इसे काफी हद तक आसान बना दिया है।

आ गए हैं कई बॉट्स

फिलहाल कई मैसेजिंग ऐप्स ऐसी हैं जिन्होंने अपने चैटबॉट्स लॉन्च कर दिए हैं उनमें सब कुछ नाम हैं फेसबुक, स्लैक, टेलेग्राम, हिपचैट और किक। एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, पीएनबी मेटलाइफ, फ्लिपकार्ट, ओला और मेरू कैब जैसी कंपनियों ने बॉट्स का इस्तेमाल इन-हाउस ऑपरेशंस के लिए शुरू कर दिया है। अभी कुछ दिनों पहले फेसबुक मैसेंजर पर हेल्थ कंसल्टेंसी लाइब्रेट और ऑटो एग्रीगेटर जुगनू ने अपने बॉट्स लॉन्च किए हैं। लाइब्रेट से यूजर्स हेल्थ से संबंधित और जुगनू से अपना ऑटो बुक आसानी से करा सकता है। यदि चैट करते वक्त आपको भूख लगे तो आप पिज्जा के बॉट्स पर जाकर वैरायटी या रेंज के सवाल पूछ सकते हैं और इसके साथ ही आप आर्डर भी बुक कर सकते हैं और आनलाइन पेमेंट भी कर सकते हैं।

ऐप्स को पीछे छोड़ेंगे

अगर बात करें बॉट्स के रिसपॉन्स की तो अभी ये उतने दमदार नहीं हैं। धीमे चलने वाले ये बॉट्स सवाल का जवाब बहुत जेनरिक या काफी सामान्य देते हैं। कई बार ये सवाल समझने में नाकाम रहते हैं या तो सवाल का सही जवाब नहीं देते हैं। कभी-कभी फनी बॉट्स गालियों का इस्तेमाल चैट में करने लगते हैं। लेकिन इन सबके बावजूद ये धीरे-धीरे ही सही लेकिन आगे बढ़ रहे हैं। हां, इतना जरूर है कि आने वाले समय में ये बॉट्स ऐप्प को पीछे छोड़ सकते हैं और हमारी जिंदगी में एक अहम हिस्सा बन सकते हैं, लेकिन इसकी क्षमता बढ़ाने और इसे बेहतर बनाने में अभी थोड़ा वक्त और लग सकता है।

कैसे शुरू करना है

इस सर्विस को एक्टिव करना काफी आसान है। फेसबुक मैसेंजर पर लाइब्रेट नाम के चैट बॉट को एक्टिव करके हेल्थ सवालों का जवाब मिल सकता है इसे एक्टिव करने के लिए ऐड का ऑप्शन है।

चेहरे या आवाज को बनाएं पासवर्ड...

सभी लोग अपने स्मार्टफोन और टैबलेट की सिक्योरिटी को लेकर परेशान हैं। सिक्योरिटी के लिए तरह-तरह की कोशिश की जा रही है। कभी पैटर्न लॉक लगाया जाता है, कभी पिन इस्तेमाल किया जाता है तो कभी पासवर्ड लगाकर देखा जाता है। सभी के अपने फायदे हैं। यही सिक्योरिटी आपके लिए तब सिरदर्द बन जाती है, जब हर बार आपको अपने पिन, पासवर्ड या पैटर्न लॉक का इस्तेमाल करना होता है ताकि अपने डिवाइस को इस्तेमाल करना पड़ता है। एंड्राइड डिवाइस पर अपने चेहरे को पहचान कर भी ऐसा करना अब संभव है। अगर अपने डिवाइस पर आप ये इनेबल कर देते हैं तो ये पिन, पासवर्ड या पैटर्न लॉक की जरूरत ही खत्म हो जाएगी और सिक्योरिटी के लिहाज से ये बहुत सुरक्षित भी होगा क्योंकि आपके जैसा दिखने वाला दुनिया में कोई नहीं है। ऐसा शायद सिर्फ फिल्मों में होता है।

शुरू करना आसान

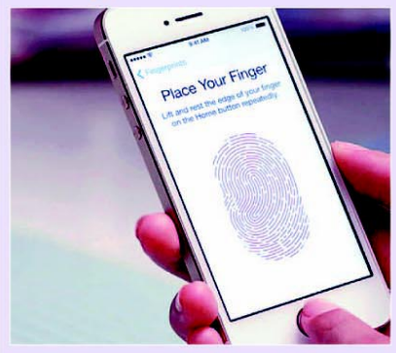

फेस रिकग्निशन एंड्राइड डिवाइस और क्रोम बुक के स्मार्ट लॉक नाम के फीचर का हिस्सा होता है। इसको शुरू करना बहुत ही आसान है। बस सिक्योरिटी में जाइए और उसके बाद आपको स्मार्ट लॉक दिखाई देगा। इसको देखने के लिए अपने डिवाइस में आपको स्क्रीन लॉक को एक्टिवेट करना होगा। स्मार्ट लॉक का इस्तेमाल करके आप अपने डिवाइस को अलग अलग तरीके से अनलॉक करने के लिए सेटिंग कर सकते हैं। इसे आप किसी भी अपने दूसरे डिवाइस के साथ जोड़ा बना सकते हैं, अपने चेहरे को भी पासवर्ड बना सकते हैं या फिर अपनी आवाज को।

ऐसे लें तस्वीर

एंड्राइड डिवाइस पर जब आप अपने चेहरे को पासवर्ड बना रहे हैं तो अपनी तस्वीर लेते समय रोशनी बढ़िया होनी चाहिए। स्क्रीन पर आपको एक गोल दिखाई देगा जिसके अंदर आपकी तस्वीर होनी चाहिए। एक बार पासवर्ड के लिए अपने चेहरे को आपने सेट कर लिया, उसके बाद बस स्क्रीन को कुछ सेकेंड के लिए देखिए उसके बाद आप स्क्रीन को स्वाइप कर अनलॉक कर सकते हैं।

ढेर सारे ऐप

कुछ एंड्राइड डिवाइस में आपको यह फीचर नहीं मिलेगा। ऐसे में अगर यह फीचर आपको चाहिए तो ये काम करने वाले ढेर सारे ऐप आपको गूगल प्ले स्टोर पर मिल जाएंगे। वैसे ही वॉइस लॉक करने वाले ऐप भी कई मिल जाएंगे।

नौकरी पाने के लिए न दें झूठी जानकारी

जल्द नौकरी हासिल करने या अत्यधिक महत्वाकांक्षा के चलते उम्मीदवार नौकरी मांगने के दौरान कई बार योग्यता संबंधी ऐसी जानकारी दे देते हैं, जो उनके पास होती ही नहीं। हकीकत सामने आने पर वे जॉब से तो वंचित हो ही जाते हैं, उनके आगे की राह भी कठिन हो जाती है।

एक सर्वे के अनुसार वर्तमान समय में ज्यादातर संस्थान अपने कर्मचारियों द्वारा दिए जाने वाले शिक्षा संबंधी प्रमाण-पत्रों में गड़बड़ियों की समस्या से जूझ रहे हैं। एक कंपनी छोड़ दूसरी ज्वाइन करने पर दोनों में दी गई जानकारी में भी काफी अंतर देखने को मिल रहा है। यह सही है कि कंपनियां जॉब देते समय उम्मीदवार के पिछले तीन-चार साल का अनुभव, शैक्षिक योग्यता और अंतिम 4-5 साल का पता खंगालती हैं, लेकिन ज्यादातर कंपनियां सीनियर पद पर किसी को ज्वाइन कराते वक्त लचीला रुख अपनाती हैं।

वे उम्मीदवार के प्रोफाइल व पैकेज को ही आधार बनाती हैं। सर्वे बताते हैं कि भारत ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन और अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी ऐसे उम्मीदवारों की संख्या ज्यादा है, जो बायोडाटा में अपनी उपलब्धियों, अनुभव और शैक्षिक योग्यताओं के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर लिखते हैं। बाद में वेरिफिकेशन के दौरान उनकी गलतियां उजागर होती हैं। इन नेगेटिव वेरिफिकेशन रिपोर्ट से न सिर्फ उनकी नौकरी जाती है, बल्कि इंडस्ट्री में उनकी प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है।

नहीं मिल पा रहे सही लोग

ग्लोबलाइजेशन और जॉब मार्केट में कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते हर कंपनी चाहती है कि वह कुशल व प्रतिभाशाली कर्मचारियों को नियुक्त करे। देश में जितनी ज्यादा नौकरियां हैं, उससे कई गुना ज्यादा नौकरी ढूंढने वाले लोग। हर साल देश में लगभग 23 लाख ग्रेजुएट पैदा होते हैं, लेकिन इनमें से ज्यादातर को उनकी पढ़ाई और स्किल्स के मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कंपनियों में 61 प्रतिशत पद खाली हैं। सबसे ज्यादा अवसर सेल्स, आईटी, अकाउंटिंग, फाइनेंस व ऑफिस सपोर्ट जैसे सेक्टरों में मौजूद हैं। इनमें सही टैलेंट नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि आवेदन के समय उम्मीदवार अपनी उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ा कर लिख रहे हैं या झूठी सूचनाएं दे रहे हैं।

दें सही जानकारी

एक अच्छी नौकरी पाने की तलाश में जुटे उम्मीदवार कई बार अपने रेज्यूम में भ्रामक सूचनाएं दे जाते हैं। इसके चलते उन्हें शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए यदि आप किसी नई नौकरी के लिए रेज्यूम देने जा रहे हैं तो अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों और उपलब्धियों के बारे में बताने से पहले विशेष सावधानी बरतें। जॉब की जरूरत के हिसाब से अपनी स्किल्स मैच कराएं। एक-एक बिन्दु का स्पष्ट उल्लेख करें, दूसरों का सीवी कॉपी करने से पहले बचें।

ऐसे होती है हेराफेरी

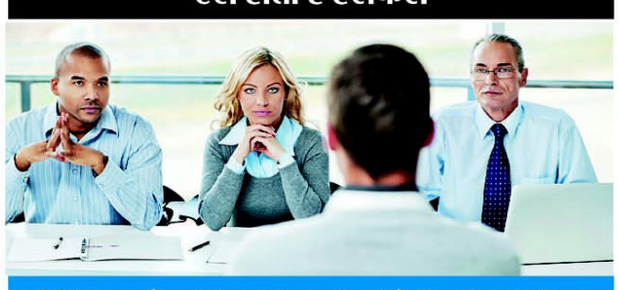

क्वालिफिकेशन : उम्मीदवार आवेदन के दौरान कई बार ऐसी शैक्षिक योग्यता का जिक्र कर बैठते हैं, जो उनके पास होती ही नहीं या गलत तरीके से हासिल की गई होती है। ज्यादातर संस्थानों में आवेदन के दौरान ऐसा देखने को मिलता है। बैकग्राउंड चेकिंग फर्म्स के जरिए ऐसे फ्रॉड को पकड़ा जाता है।

फर्जी डिग्री: देश में कई ऐसे संस्थान चल रहे हैं, जिनकी मान्यता नहीं है या उनके कोर्स को संबंधित अथॉरिटी से मान्यता प्राप्त नहीं है। वहां की डिग्री फर्जी डिग्री की श्रेणी में आती है। कई बार अज्ञानता में तो कई बार जान-बूझ कर उम्मीदवार इन डिग्रियों का इस्तेमाल करते हैं।

सेलरी पैकेज: एक कंपनी से दूसरी कंपनी ज्वाइन करने पर सबसे अहम फैक्टर सैलरी पैकेज होता है। मोटा पैकेज पाने की चाहत में उम्मीदवार या तो अपनी स्लिप से छेड़छाड़ करते हैं या फर्जी सेलरी स्लिप बनवाते हैं। एचआर डिपार्टमेंट की छानबीन में इस तरह के मामले पकड़ में आ जाते हैं।

एक्सपीरिएंस: उम्मीदवार एक्सपीरिएंस सर्टिफिकेट के रूप में अकसर किसी ऐसे संस्थान से 2-3 साल का अनुभव दर्शाते हैं, जो वर्तमान में बंद हो चुका होता है या उसकी पुष्टि नहीं हो पाती। कई बार वे अनुभव के साल बढ़ा-चढ़ा कर दिखाते हैं। वे मान कर चलते हैं कि उनका खेल पकड़ में नहीं आएगा, पर वेरिफिकेशन में इस खेल से पर्दा उठ जाता है।

मैरिटल स्टेटस: सैन्य अथवा कई ऐसे सेवा क्षेत्र हैं, जिनमें अविवाहित उम्मीदवारों से आवेदन मांगा जाता है। ऐसे नौकरी के लिए विवाहित उम्मीदवार अकसर अपनी पहचान छुपा लेते हैं। इस आधार पर वे कई साल नौकरी भी कर लेते हैं। बैकग्राउंड अथवा एड्रेस वेरिफिकेशन में इसका पता चलता है।

क्रिमिनल रिकॉर्ड: उम्मीदवारों पर नौकरी के लिए आवेदन देने से पूर्व यदि कोई आपराधिक मामला दर्ज हुआ है तो वे आवेदन में इसका उल्लेख नहीं करते। इस तरह की प्रवृत्ति वाले उम्मीदवारों को कोई भी अपने यहां नहीं रखना चाहता। हेल्थकेयर व फाइनेंशियल कंपनियां ऐसी पृष्ठभूमि की जांच करवाती हैं।

कंपनी का नुकसान

गलत सूचना देकर नौकरी हासिल करने वाले कर्मचारियों की मंशा कंपनी को नुकसान पहुंचाने की बेशक न हो, लेकिन वह उसकी कार्यनीति और परंपरा को गहरा नुकसान पहुंचा सकती है। गलत सूचना देकर नौकरी हासिल करने पर कंपनी को अपने प्रोजेक्ट में निवेश करने से पहले अयोग्य प्रोफेशनल्स की ट्रेनिंग में पैसा लगाना पड़ता है। इससे उनको भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सुरक्षा की दृष्टि से घातक

अपने बारे में गलत सूचना देने वाले किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिम्मेदार पद पर बैठाना कंपनी की सुरक्षा की दृष्टि से घातक हो सकता है। चूंकि कंपनियों को गोपनीय सूचनाएं या डेटा लीक होने का खतरा रहता है, इसलिए ज्यादातर कंपनियां किसी व्यक्ति को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने से पहले उसकी पूरी छानबीन कराती हैं। कोई कंपनी कभी नहीं चाहती कि ऐसे लोगों को अपने यहां जॉब दे, जिनकी बुनियाद ही झूठ के सहारे रखी गई हो।

ऑनलाइन मॉनीटरिंग

आजकल कई ऐसे एप प्रचलन में हैं, जिनके जरिए उम्मीदवार अपनी योग्यता, अनुभव व अन्य विवरण ऑनलाइन भेज सकते हैं।

इसके लिए आवेदनकर्ता और नियोक्ता दोनों का रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है। इस आईडी नंबर के जरिए वे उम्मीदवार का पूरा वेरिफिकेशन कर सकते हैं। यह ऐप जल्द ही सोशल मीडिया 'डिजिटल टैलेंट पूल' के जरिए लोगों को नौकरी पर रखे जाने की प्रक्रिया में अहम भूमिका अदा करेंगे। कंपनियां भी एप्लिकेंट ट्रैकिंग सिस्टम का इस्तेमाल कर रही हैं, जो सीवी का विश्लेषण करता है।

इसलिए आ रही दिक्कत

एक सर्वे के मुताबिक भारत में जितनी नौकरियां पैदा हो रही हैं, उनमें से करीब 90 प्रतिशत के लिए खास स्किल्स की जरूरत पड़ती है।

इसकी ट्रेनिंग स्कूल-कॉलेज अथवा इंस्टीट्यूट में नहीं मिल पा रही, लिहाजा बड़ी आबादी बेरोजगारी का दंश झेल रही है। जल्दी नौकरी पाने की चाहत में उम्मीदवार कई बार झूठी सूचनाएं देकर नौकरी हासिल करने की कोशिश करते हैं या अपने नकारात्मक पहलुओं को छिपाने का प्रयास करते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**